



# PHARMA NEWS

Editor- Brijesh Kumar Garg

www.medicaldarpan.com

Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2021-2023 RNI UPBIL/2007/27885

Year 16 | Issue 10 | D.O.P. 10 June 2023 | Pages 12 | ₹ 10/- Copy | 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

**Lezaa Biotech**  
Lezaa Biotech Group of Companies.....

Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP  
With the Wide Range of :

Tablets	Capsules	Liquids	Dry Syrup	Injectables
Drops	Lotions	Gels	Ointments	Shampoos
Protein Powders	Ayurveda Products	Neutraceuticals		

Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing

Brand Promotional Input Like: Visual aid, Sample Catch covers, Visiting Cards, Product Literature, MR Bags, DCR Pad, Gifts

Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.

Plot no. 165, Food Park, Phase 1, Sector 2, HSIIDC, Saha, Ambala-133104(HR)  
Head Office: 114, GT 2, Jharnai, Distt. Mohali-140501  
Branch Office: Plot no. 397-398 Jaggi, Garden, Ambala, Haryana  
E-mail: lezaayurveda@gmail.com, lezaabiotech@gmail.com  
Website: www.lezaayurveda.com / www.lezaabiotech.com / www.karemed.in

**+91 7027104999, +91 9468188437**

**Our General Divisions**

MERRIL MESTRA STERILE GENETICS

**Third Party Enquiry Also Welcome**

And many more ...  
We have more than 250 products in our successfully running company.

For any query :- 9719839944

**New Molecules available**

<b>Emocare</b> Piraciti-Plus Cilostazol 200mg + Pracetam 600mg Tab.	<b>NUCAD</b> Cardiac-Diabetic division Metolip-ER 25/50 Metoprolol Tartrate 25/50 (ER)	<b>GenSure-Sachet</b> L-Arginine 3gm. + Proanthocyanidin 75 mg.	<b>REBAKIN</b> Antihist-D Desloratadine 10 mg.
<b>Velpy-200/300/500</b> Sodium Valproate With Valproic Acid	<b>Nuepido-AS</b> Clopidogrel 75 mg +Aspirin 75 mg	<b>GenSure-LC</b> L-Carnitine + Co-Enzyme + Piperin + Lycopene + Zinc Sulphate	<b>Tacroril</b> Tacrolimus Cream 0.03
<b>Emofexine Tab.</b> Desvenlafaxine 50mg ER	<b>Nuepido-Plus</b> Clopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg	<b>NMPC-softgel/SR tab/ Inj.</b> Natural Micronized Progesterone B.P. 100/200/300 mg	<b>Candigel</b> Luliconazole 1.0% w/w
<b>Emofexine Plus -50</b> Desvenlafaxine 50 mg + Clonazepam 0.5 mg	<b>Tenzex-M</b> Teneligiptin 20mg + Metformin Hydrochloride 500mg	<b>GenSure-F</b> Folic Acid, Inositol, L-Arginine, Selenium Grape Seed Extract, Lycopene, Vitamins & Zinc	<b>Eberil</b> Eberconazole 30 mg

Registered Office :- A-401/402, Empire Business Hub,  
Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujrat)-India,  
Email : order@mestrapharma.com Website : www.mestrapharma.com

*Contract Research manufacturer*  
*In Quality and state of Art sections of-*

**AYURVEDIC AYUSH MARK PRODUCTS**

TABLET	CAPSULES	OIL	BHASMA	SYRUP
--------	----------	-----	--------	-------

**COSMECEUTICALS**

SERUM	PSORIASIS	VITILIGO	SKIN CARE	HAIR CARE
-------	-----------	----------	-----------	-----------

**ALLOPATHIC**

TABLET	CAPSULE	OINTMENT
--------	---------	----------

**NUTRACEUTICALS**

**Rajani**  
Healthcare Products

Office Address: Purva Complex, Sadashiv Peth  
Pune 411 030, Maharashtra India  
Plant: E-18/1, Jejuri MIDC Tel: Purander Dist: Pune  
Maharashtra India 412 303, www.rajani-pharma.com

pharma789@gmail.com, export.rhcp@gmail.com, info@rajani-pharma.com, business@rajani-pharma.com  
+91 20 24471007 +91 20 24473132 +91 9823096996 +91 8793340533 +91 9168316618 +91 9604639665

Wide Range with

TABLETS	CAPSULES	DRY SYRUP	DIABETIC
LOTION	INJECTIONS	LIQUID	OINTMENTS
DENTAL	SHAMPOO	NUTRACEUTICALS	PROTEIN POWDER
OIL	EYE DROP	SOAP	CARDIAC

**ZESTICA** Pharma

Plat No. 56, 57 & 58 Motia Plaza Baddi, Distt. Solan (H.P.) 173205  
Phone No :- 9882007636, 9882130050, 9218504849, 9882844849  
E-mail : zesticapharma@gmail.com. www.zesticapharma.com

More Than 700 Products

advancing innovations  
that touch life

FERRITIN-XT	BIORAB-DSR
BIOCIME-200	BIOCET-M
ZITHTEC <sup>®</sup> -500	CAL-CZ
BIORYL-DS	NERVTEC <sup>®</sup> -GB100
NERVTEC <sup>®</sup>	PREZO-D
BIOLIV	PEPTICLAV <sup>™</sup> -625

**Hindustan Biotech**

Corporate Office: DSS-183, First Floor, Sector-21 Panchkula (Haryana) India  
Over Seas Office: 2012, Avalon Mist Circle, Dardenne Prairie MO 63366, U.S.A.  
Contact No. 9417002016 E-mail: hindustanbiotech@yahoo.com

OUR RANGE INCLUDES LATEST MOLECULES

**MINAKSHI LABORATORIES (P) LTD.**

**Ayurvedic & Nutraceuticals**

**Capsules**

**Syrup & Sachet**

**Oil (Herbal & Cosmetic)**

**Powder** Protein Powder  
Whey & Herbal Protein

**External Preparation**  
Cream, Powder, Face Wash, Gel, Shampoo & Toothpaste

**Shubham Arora**  
Director (Sale)  
**+91-9528089151**

**Comprehensive Formulation Facility**

- Third Party manufacturing
- Export Inquiries for Regulated Markets
- PCD/Franchisee for unrepresented Area.
- Monopoly Business Rights.

Factory Address:  
**MINAKSHI LABORATORIES (P) LTD.**  
Plot No. 39, Sec-7, IIE SIDCUL, Haridwar, Uttarakhand  
Email: shubhamarora1982@gmail.com,  
minakshilaboratories@gmail.com

A WHO - GMP, ISO 9001:2015 Certified  
Professionally Managed Pharmaceutical Mfg. Group

**P2P Brand Producer for more than  
85 Companies in PAN INDIA**

Available CDSCO Approved Latest Molecules  
Own Marketing of over 350 Formulations

Global Supply Through Direct Export & Merchant Export

COPP/Dossier Available

Recognised House Since 1998 for Quality Products  
Timely Supplies & Customer Satisfaction

Dallas Pharma Group

Estd. : 25th September, 1998

on  
World Pharmacist Day

Celebrating

25<sup>th</sup>

Silver Jubilee Year

2023

Invites

P2P Marketers

Professionals

Brand Promoters

Export Enquiries

Dallas  
FORMULATIONS PVT. LTD.



Dallas  
DRUGS PVT. LTD.

Mfg. Plant : 144 & 156, DIC, Indl. Area, Baddi-173205 (Himachal Pradesh) INDIA  
Phone : 0172-4641318, 92168-81326

Email : dallaspharmaceuticals@yahoo.com & business.dallaspharma.com  
Visit us at : www.dallaspharma.com & www.dallasdrugs.org

**क्षतिग्रस्त भ्रूण के लिए 1 लाख रुपये का भुगतान करेगा**

**कोलकाता:** पश्चिम बंगाल क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट रेगुलेटरी कमीशन (डब्ल्यूबीसीईआरसी) ने कोलकाता में एक आईवीएफ क्लिनिक को वहां जमे हुए दो भ्रूणों के नुकसान के लिए एक महिला को 1 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। लगभग पांच साल पहले जमे हुए भ्रूण हाल ही में एक प्रत्यारोपण से पहले क्षतिग्रस्त पाए गए थे। शिकायतकर्ता मोनालिसा दास के अनुसार, उन्होंने और उनके पति ने सहायक प्रजनन तकनीक के लिए कोलकाता में

**आई ड्रॉप फार्मा कंपनी को  
नोटिस जारी**

प्राप्त समाचार के अनुसार गुजरात की फार्मा कंपनी इंडियाना ऑथलमिक्स को फार्मा एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्डिसिल ऑफ इंडिया ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस फार्मा कंपनी के द्वारा निर्मित आई ड्रॉप का इस्तेमाल श्रीलंका में किया गया। आई ड्रॉप के इस्तेमाल से संक्रमण का मामला सामने आने के बाद कंपनी को नोटिस जारी किया गया है। जारी किए गए नोटिस में फार्माक्सिल के डॉक्टर जनरल उदय भास्कर ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह के आई ड्रॉप के निर्माण से हमारे देश को छवि धूमिल हुई है। गुजरात की इंडियाना ऑथलमिक्स को आई ड्रॉप की जांच कर 3 जून तक जवाब देने के लिए कहा गया है। यदि कंपनी 3 जून तक जांच रिपोर्ट दाखिल नहीं करती है तो बिना किसी नोटिस के कंपनी का लाइसेंस रद्द कर दिया जायेगा। जारी किए गए नोटिस में कंपनी के पार्टनर नीरव आर भट्ट को खासतौर पर श्रीलंका में जिस आई ड्रॉप को भेजा गया था। उसकी पूरी जानकारी के साथ-साथ भेजे गए प्रोडक्ट की परमिशन और मैनुफैक्चरिंग लाइसेंस का विवरण मांगा गया है। अप्रैल महीने में श्रीलंका की हेल्थ मिनिस्ट्री ने भारत सरकार के पास इंडियाना ऑथलमिक्स को लेकर शिकायत की थी। श्रीलंका की हेल्थ मिनिस्ट्री की ओर से ये दावा किया गया था कि इस आई ड्रॉप को इस्तेमाल करने के बाद श्रीलंका में 30 से ज्यादा लोगों की आंखों में संक्रमण हो गया। ये मामला सामने आने के बाद भारतीय दवा नियम सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने इस मामले की जांच शुरू कर दी थी। फार्मा कंपनी को भेजे गए नोटिस के मुताबिक आई ड्रॉप की खराबी पर 16 मई को श्रीलंका के कैबिनेट बैठक में चर्चा हुई थी। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री को तत्काल जांच करने के आदेश दिए थे।

**कैंसर के दवा निर्माताओं  
का उदय**

**बैंगलूर:** शिकागो में चल रहे एक उद्योग सम्मेलन में कंपनियों द्वारा अपने उपचारों से सकारात्मक नैदानिक परीक्षण डेटा की सूचना देने के बाद कई कैंसर दवा फार्मा के शेयरों में प्रीमार्केट ट्रेडिंग में उछाल आया। अमेरिकन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी (एसएसओ) की वार्षिक बैठक में प्रस्तुतियों के बाद डे वन बायो, इम्युनोजेन इंक और एवैक्सियन बायोटेक ए / एस सबसे बड़े सेक्टर गेनर्स में से एक थे। एक प्रकार के ब्रेन ट्यूमर के लिए कंपनी की प्रायोगिक चिकित्सा के बाद पहले दिन के शेयर 21.3 प्रतिशत बढ़कर 16.54 डॉलर प्रीमार्केट हो गए, मध्य-चरण के अध्ययन में 6 महीने से 25 वर्ष की आयु के 67 प्रतिशत रोगियों में ट्यूमर काफी कम हो गया। डिम्बग्रंथि के कैंसर के एक प्रकार के इलाज के लिए इम्युनोजेन इंक की प्रायोगिक दवा ने बाद के चरण के अध्ययन में कीमोथेरेपी की तुलना में ट्यूमर के बढ़ने या मृत्यु के जोखिम में 35 प्रतिशत की कमी दिखाई। दवा निर्माता के शेयर 7.7 प्रतिशत बढ़कर 15.48 डॉलर हो गए। छोटे ड्रग डेवलपर ने कहा कि प्रारंभिक चरण के अध्ययन में त्वचा के कैंसर के एक प्रकार को रोकने के लिए वैक्सिन के सुरक्षा लक्ष्यों को पूरा करने के बाद एवैक्सियन के शेयर लगभग 40 प्रतिशत बढ़कर 2.03 डॉलर हो गए। दूसरी ओर, आर्कस बायोसाइसेंस इंक ने फेफड़ों के कैंसर के एक प्रकार के इलाज के लिए अपनी प्रायोगिक दवा पर अद्यतन डेटा के बाद 3.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जो मध्य चरण के परीक्षण के पहले के आंकड़ों की तुलना में रोग के बढ़ने के जोखिम को कम करने में कम लाभ दिखाता है। आर्कस ने दिसंबर में रिपोर्ट की थी कि 12 महीनों की तुलना में प्रयोगात्मक दवाओं, डोमवानालिमैब और जिम्बरेलिमाब के दोहरे संयोजन ने 9.3 महीनों के लिए रोग की प्रगति को नियंत्रित किया। कंपनी गिलियड साइसेंस इंक के साथ दवा विकसित कर रही है।

**HIV दवा लांच**

**मुंबई:** फार्मा प्रमुख ल्यूपिन लिमिटेड (ल्यूपिन) ने जैनसेन प्रोडक्ट्स, एलपी के प्रीजिस्टा टैबलेट के जेनेरिक समतुल्य को बाजार में लाने के लिए 600 मिलीग्राम और 800 मिलीग्राम दारुनवीर टैबलेट लॉन्च करने की घोषणा की। दारुनवीर टैबलेट, 600 mg और 800 mg ने अमेरिका में +308 मिलियन की वार्षिक बिक्री का अनुमान लगाया था। एचआईवी -1 संक्रमण के उपचार के लिए दारुनवीर गोण्डियों का संकेत दिया जाता है। एचआईवी संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद के लिए दवा को अन्य एचआईवी दवाओं के साथ लिया जाता है। दवा किसी के शरीर में एचआईवी की मात्रा को कम करने में सहायता करती है ताकि प्रतिरक्षा प्रणाली बेहतर काम कर सके।

**क्षणिका**

सोचे हुए काम, पूर्ण कर पाओ।  
आलस हटाओ, कर्म अपनाओ।  
गति पर, नियंत्रण लाईए, वरना,  
अस्पताल जाईए,  
डॉ० नरेन्द्र नाथ लाहा, 9753698240

"Exclusive marketing & distribution with Monopoly Rights for  
(Distributors/MRs/ASMs/RSMs) & Multi-Specialty Hospitals  
in Unrepresented Areas India.

17 years  
PHARMA SERVICES



Wide Range of more than

**200+ PRODUCTS**

Covering All Major Segments

Including Derma, Gynec, Infertility, Cardiac,  
Diabetic, Medicine, Ortho, Pediatrics, Surgery,  
ENT, Ophthalmic, Dental & GP."

Join Our  
**Pharma Franchise  
And Start Your  
Own Business  
Today!**

**Why NANDSHRI LABS ?**

- ▶ "Our most brands are Registered and Trademarked"
- ▶ WHO-GMP Certified Products & ISO 9001-2015 Company
- ▶ Satisfied more than 1000+ customers."
- ▶ Excellent Packing, Reasonable MRP with Competitive price
- ▶ We provide full Marketing support and Promotional materials.
- ▶ Providing Visual Aids Or E-Detailing facilities on your Tablet.
- ▶ Catchy Brand Name

...Our Divisions...



<b>GynaCure</b> Gynecology Division	<b>DermaCure</b> Derma Products Range	<b>CarDiabete</b> Cardiac & Diabete Division	<b>INTRA Cure</b> General Division	<b>I-Vision Cure</b> Ophthalmic Division
Tablet/Capsules	Soft gel Cap	Suspension/Syrup	Oral Liquid & Dry Syrup	Cream, Lotion, Gel
Soap/Shampoo	Eye/Ear/Nasal Drops	Sachets & Powder	Mouth Wash / Paste	Ointment & Inj.



**NANDSHRI LABS**

Regd. Add. : 1<sup>st</sup> floor, Plot no. 24 & 25, Sadachar Society, Wadi, NAGPUR (MS)

E-Mail : nandshrilabs@gmail.com | www.nandshrilabs.com

For Business Enquiry **7769090020, 838005317**

**सरकारी प्रतिबंध रद्द**

प्राप्त समाचार के अनुसार दिल्ली हाईकोर्ट ने Saridon vkSj Vicks Action 500 जैसी लोकप्रिय दवाओं पर सरकारी प्रतिबंध को रद्द कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा मार्च में 344 फिक्स डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध लगाने के बाद इनमें से कई दवाएं बाजार से बाहर हो गईं, लेकिन फार्मा कंपनियों द्वारा आदेश पर न्यायिक रोक लगाने के बाद ये फिर से बाजार में आ गईं। जस्टिस आरएस एंड लॉ के फैसले के साथ, ये दवाएं जिनमें डी'कोल्ड, बेनाडिल और फेंसेडिल शामिल हैं, जिनका व्यापक रूप से सिरदर्द और सर्दी के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है। बाजार में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध रहेंगे। बेनाडिल जैसी लोकप्रिय दवाएं जल्द ही वापस आ सकती हैं, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 344 निश्चित खुराक संयोजन दवाओं पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले को रद्द कर दिया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मार्च में इन फिक्स डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर इस डर से प्रतिबंध लगा दिया था कि वे एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध का कारण बनती हैं और उच्च विषाक्तता के कारण अंग-विफलता का कारण भी बन सकती हैं। कोर्ट ने कहा कि प्रतिबंध से पहले की कार्यवाही से यह संकेत नहीं मिलता था कि कोई गंभीर तात्कालिकता थी। फिक्सड-डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स, या एफडीसी, एक ही गोली में दो या दो से अधिक दवाओं को मिलाते हैं और व्यापक रूप से रोगी अनुपालन में सुधार के लिए उपयोग किए जाते हैं क्योंकि किसी को कई दवाओं की तुलना में एक दवा लेना आसान होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन निश्चित खुराक संयोजन दवाओं पर इस डर से प्रतिबंध लगा दिया था कि वे एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध का कारण बनते हैं और उच्च विषाक्तता के कारण अंग-विफलता का कारण भी बन सकते हैं। भारत फिक्सड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं के लिए दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग आधी है, लेकिन चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि उनमें से ज्यादातर तर्कहीन हैं, यानी उन्हें राष्ट्रीय नियामक द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है।

**US FDA ने स्प्रिंगवर्क्स थैरेप्यूटिक्स के ट्यूमर के  
इलाज के फैसले में देरी की**

**दिल्ली:** यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने स्प्रिंगवर्क्स थैरेप्यूटिक्स इंक के ट्यूमर के इलाज के लिए अपने फैसले को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है क्योंकि स्वास्थ्य नियामक को अतिरिक्त डेटा की समीक्षा करने के लिए और समय चाहिए, कंपनी ने सोमवार को कहा। स्प्रिंगवर्क्स के अनुसार, इस समय एफडीए द्वारा कोई अतिरिक्त डेटा या अध्ययन का अनुरोध नहीं किया गया है। कंपनी ने कहा कि एफडीए ने अधिसूचित किया कि स्वास्थ्य नियामक के सूचना अनुरोधों के जवाब में स्प्रिंगवर्क्स द्वारा प्रदान किए गए डेटा के अतिरिक्त विश्लेषण की समीक्षा करने के लिए उसे और समय की आवश्यकता है। स्प्रिंगवर्क्स की थैरेपी निरोगीसेटेट डेस्माइड ट्यूमर के इलाज के लिए एक अंतिम चरण के परीक्षण में है, जो गैर-कैंसर वाली वृद्धि है।

**Franchisee/PCD  
Franchisee/PCD  
Franchisee/PCD**

**Third Party  
Third Party  
Third Party**

**Monopoly Business Rights**

**AYURVEDIC &  
NUTRACEUTICALS**

**Tablets**

**Capsules**

**Syrup**

**Sachet**

**Oil**

(Herbal & Cosmetic)

**Powder**

(Whey & Herbal Protein Powder)

**External Preparation**

(Cream, Lotion, Face Wash, Shampoo & Soap)



Office: 206, Blue Star Plaza, Sarja Mkt, Opp. M2K, Sector 7, Rohini, Delhi-85

Work: Plot No.-6, Sector-56, Phase-4, HSIDC, Kundli-131028 (Haryana)

Ph:011-27040437, 9810165707, Email: bsnsp1@gmail.com

**Looking For Franchises  
ALL OVER INDIA**



Having Experience, Sales/Marketing Team,  
Distribution Network, Holding DL/GST Nos. &  
Financially Sound Parties May Approach In Confidence.

▶ **General Division**

▶ **Cardiac Division**

▶ **Diabetic Division**

▶ **Herbal Division**

▶ **Urology Division**

▶ **Neutraceuticals Division**

**We Offer :**

- ◆ PROMOTIONAL MATERIAL
- ◆ MONOPOLY RIGHTS
- ◆ GIFT ARTICLES
- ◆ VISUAL AID
- ◆ BAGS

We also have  
**SOFT GELATIN  
Range**



To Receive Details, Kindly CALL/WHATSAPP/E-MAIL

301, R.G. Complex-I, F-Block, Prashant Vihar,  
Sector-14, Rohini, New Delhi-110085.

098185 50017

chembiotechhealthcare1@gmail.com

www.chembiotechhealthcare.com



(An ISO 9001:2015 Certified Company)



**THIRD PARTY MANUFACTURING SERVICE**

Committed to Healthcare through Innovation & Quality

**WE OFFER**

- MORE THAN 1000 PRODUCTS
- PROMPT / TIMELY DELIVERY
- EXCEPTIONAL PROFIT MARGIN
- COMPLETE MONOPOLY RIGHTS
- EXCLUSIVE PROMOTIONAL MATERIAL
- ATTRACTIVE PACKING

Wide Therapeutic Range

Orthopaedic Gynaecore Gastroenterology	Anti-Infective Urology Core Anti-Fillegic	Cardiovascular Anti-Diabetic Cough & Cold
Bronchodilator Paediatric Respiratory	Injectables Neuropsychiatry Nutritional Supplements	OTC Products Derma Care Eye/Ear/Nasal Drops

**CONTACT FOR BEST RATE IN THIRD PARTY MANUFACTURING**

8449549885 | 8476946001 | po.pharmabiounity@gmail.com | mkt.biounitypharma@gmail.com

**गुणवत्ता जांच में देरी से मुफ्त दवा योजना ठप**

जयपुर: राज्य सरकार की निःशुल्क दवा योजना में जहां दवाओं की संख्या काफी बढ़ गई है, वहीं गुणवत्ता जांच के लिए उनकी टेस्टिंग धीमी हो गई है, जिससे उनकी वितरण श्रृंखला प्रभावित हो रही है। दवाओं का एक बड़ा भंडार दुकानों में पड़ा हुआ है क्योंकि गुणवत्ता जांच रिपोर्ट के अभाव में उन्हें अस्पतालों में आपूर्ति नहीं की जा सकती है। जयपुर स्थित दवा दुकान को एक माह पूर्व आपूर्ति की गई दवाओं की गुणवत्ता जांच रिपोर्ट का इंतजार है। "अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति करने से पहले गुणवत्ता जांच जरूरी है। चूंकि दवाओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, कई की परीक्षण रिपोर्ट का इंतजार है, भले ही उन्हें एक महीने पहले आपूर्ति की गई हो," दवाओं के वितरण में शामिल स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा। पिछले कुछ महीनों में, मुफ्त दवा योजना में दवाओं की संख्या 1,500 से बढ़कर 1,800 से अधिक हो गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मरीजों को दवा खरीदने के लिए अस्पतालों से बाहर न जाना पड़े। राज्य सरकार ने पूरे राज्य में मरीजों के लिए ओपीडी और आईपीडी की सुविधा मुफ्त कर दी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) शुभा सिंह ने निर्देश जारी कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि डॉक्टरों द्वारा मरीजों को बाहर से दवाई मंगवाने या अस्पताल के बाहर कोई जांच कराने की शिकायत अस्पतालों से न मिले। सिंह ने सभी संयुक्त निदेशकों, मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) और डिप्टी सीएमएचओ से मुफ्त दवाओं और मुफ्त परीक्षण योजनाओं पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य भवन में एक बैठक की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त दवाएं और परीक्षण उपलब्ध हैं, जो राज्य के सभी लोगों के लिए मुफ्त हैं। उन्होंने मरीजों को दुकानों से दवा खरीदने या अस्पतालों के बाहर जांच कराने की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। निःशुल्क दवा योजना के नोडल अधिकारी डॉ. रामबाबू जायसवाल ने कहा, मरीजों को बाहर से दवा मंगवाने वालों (डॉक्टरों) के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

**HELAX HEALTHCARE PRIVATE LIMITED**

WHO-GMP compliant Facility with cGMP, CGLP & An ISO 9001 : 2015, ISO 22000 : 2018 Certified  
PHARMACEUTICAL FORMULATION, AYURVEDIC & UNANI, NUTRACEUTICAL FSSAI SUPPLEMENTS.

<b>TABLETS PREPARATION</b> (Hormones, Beta Lactum & Non- Beta lactum)	<b>FOOD &amp; NUTRACEUTICAL (FSSAI) SECTIONS</b> (Tablets, Capsules, Dry Suspension, Syrup, Tonic & Drops & SACHETS) ( Protein Powders, Probiotics & Multivitamin )
<b>ORAL LIQUID PREPARATION</b> ( Syrup, Elixirs and Suspensions, Tonic & Drops )	<b>AYURVEDIC &amp; UNANI</b> ( Capsules, Syrup, Ointment, Oil, Churn & Soap)
<b>CAPSULES, DRY SYRUP, SACHETS &amp; POWDER PREPARATION</b> ( Beta Lactum, Non- Beta lactum, ORS, Probiotics & Vitamins )	<b>VETERINARY SECTIONS-CAPTAB &amp; BOLUS</b> (Hormones, Beta Lactum, Non- Beta lactum & Feed Supplements Captab & Bolus ) Pesticides, Aerosol Spray, Ointment, Lotions, Pets Soap & Shampoo, Oral Calcium Liquid, Chelated Minerals & Feed Supplements Powder & Sachets AYURVEDIC & FEED ( Capsules, Bolus, Liver & Utraine Liquid, Ointment, Churn & Soap)
<b>EXTERNAL PREPARATION</b> ( Medicated Soap, Dusting Powder, Aerosol Spray ( Ear Drops, Ointments, Lotion, Cream Tooth Paste & Mouth Wash)	

DIRECTOR: HARSH GUPTA 7417 935 356 mfg.helax@gmail.com  
FACTORY : KHASRA NO. 410, VILL. KARONDI, ROORKEE, Dist. HARIDWAR

**कोहेरस बायोसाइसेज हमिरा बायोसिमिलर लॉन्च करेगी**

नई दिल्ली: कोहेरस बायोसाइसेज इंक ने कहा कि वह जुलाई में एबवी इंक के हुमिरा का बायोसिमिलर लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिसकी सूची कीमत +995 प्रति कार्टन है, जो bzlockbuster गठिया दवा से लगभग 85 प्रतिशत की छूट का प्रतिनिधित्व करती है। कोहेरस ने कहा कि बायोसिमिलर की वार्षिक लागत, युसिम.री के रूप में ब्रांडेड, हुमिरा के लिए 90,000 डॉलर की तुलना में करीब 13,000 डॉलर होगी। Coherus ने +569.27 प्लस वितरण और शिपिंग शुल्क पर बायोसिमिलर बेचने के लिए अरबपति उद्यमी मार्क क्यूबा के फार्मास्यूटिकल्स स्टार्टअप के साथ भी भागीदारी की है। मार्क क्यूबन कॉस्ट प्लस ड्रग कंपनी निर्माताओं के साथ सीधे अनुबंध के माध्यम से जेनेरिक दवाएं प्रदान करती है और एक मानक मार्कअप चार्ज करती है। गोर्लियों के विपरीत, जिनकी बेहद सस्ती जेनेरिक प्रतियां होती हैं, जीवित कोशिकाओं से बनी जटिल, महंगी बायोलॉजिक दवाओं की हूबहू नकल नहीं की जा सकती। उनके निकटतम विकल्पों को बायोसिमिलर कहा जाता है। प्रतिद्वंद्वी अमेजेन इंक ने इस साल की शुरुआत में हुमिरा का पहला बायोसिमिलर संस्करण लॉन्च किया। शुरुआती कारोबार में एबीवी के शेयरों में 4.3 फीसदी की गिरावट आई थी।

**Attain Quality Products For Healthy Life**

WIDE RANGE OF MORE THAN 1000+ PRODUCTS

**FRANCHISE / PCD**

FOR MARKETING & DISTRIBUTION WITH MONOPOLY RIGHTS

- NO DEPOSITS
- COMPETITIVE RATES
- FULL PROMOTIONAL SUPPORT

With A Wide Range of

- Tablets / Capsules / Softgels
- Liquids / Dry Syrups
- Injections
- Herbal
- Ointments
- Asthma Rota Caps Range
- Respules

For Further Information Visit [www.biophargroup.com](http://www.biophargroup.com)

**BIOPHAR**  
BIOPHAR LIFESCIENCES PVT. LTD.  
A.O. - Office No-20, Paras Down Square Mall, Zirakpur  
R.O. - HB NO. 234, Pabhat, Zirakpur, SAS Nagar (Mohali)

Just SMS (Your Name & Address to 92165-99595) Email :- biopharis@gmail.com

Our Division

- RESPICARD
- CAGRUS
- BIOCADMEH
- Mediflower
- RECH ELIST PHARMA
- WITHSHE
- Drugdomino

**ऊंचाई पर पहुंचना है तो बाज बनो धोखेबाज नहीं...**

**Goel PHARMA**

। सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु विराजयाः ।  
॥ सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् कुःखं भाग्यवते ॥

SHREY AGARWAL | RAM PRAKASH AGARWAL

**Goel PHARMA**  
**Goel DRUGS**

We move forward with your co-operation...  
We move forward together...  
We thank you for your unstinting support so far in the journey since 1973 and hope to continue receiving it in the coming years...

Specialised in COVID-19 range of products  
AYURVEDIC, GENERAL, GENERICS  
OTC, SURGICAL ETC.,..

We accept order on Email | Pharmarack  
WhatsApp | Zenxx or any other platforms

We offer BEST DEAL by adding minimum profits on BULK PURCHASES

GOEL PHARMA: 4-5-229/330 & 331, 1st Floor, Opp. Govt. Maternity Hospital  
Opp. Clock Tower, Sultan Bazar, Hyderabad 500 095. Telangana, India  
Tel : 040-24754420, 9391014283

GOEL DRUGS  
7-1-301 & 302, Maruthi Street, Bandimet, Secunderabad 500 003. Telangana, India  
Tel : 040-40062009, 9849161010  
teamgoel@yahoo.com | teamgoelrpa@gmail.com  
www.teamgoel.com | www.goelpharma.com

An Enterprise of  
Harchandrai Kaushalyadevi Agarwal Formation

Quality Veterinary Business Solutions

**VETERINARY DRUGS AND FEED SUPPLEMENTS**

MANUFACTURER, SUPPLIER & TRADERS  
OWN MANUFACTURING UNITS  
CERTIFIED WITH ISO, GMP AND WHO-GMP

Tablet | Capsule  
Bolus | Syrup  
Powder | Dry Syrup  
Spray | Ointment

SPECIAL OFFER 10% OFF LIMITED PERIOD

For manufacturing and Trade Inquiry  
Please Contact : 0172-5000295 8699038826

Quality manufacturing of Veterinary, Allopathic and Ayurvedic Products

**NU ALTER**  
**NU ALTER HERBOVET**  
93, HSIIDC, Alipur, Barwala  
Haryana-134103  
E-mail : altarhealth1@gmail.com  
Web : www.nualtergroup.com  
(AN ALTAR INITIATIVE)

**डिस्पोजल वेप्स पर प्रतिबंध**

वेलिंगटन: न्यूजीलैंड ने डिस्पोजेबल वेप्स पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की, जिससे देश में धूम्रपान पर लगाम कस गई क्योंकि यह तंबाकू की बिक्री पर लगभग पूरी तरह से प्रतिबंध लगा रहा है स्वास्थ्य मंत्री आयशा वेराल ने कहा कि बिना हटाने योग्य या बदली जाने वाली बैटरी के रूप में परिभाषित डिस्पोजेबल वेप्स को अगस्त से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। उन्होंने एक बयान में कहा, बहुत से युवा लोग धूम्रपान कर रहे हैं, यही वजह है कि हम ऐसा होने से रोकने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों या मारे माओरी बैठक स्थलों के पास नई बलात्कार की दुकानों की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंत्री ने कहा, कॉटन कैंडी और स्ट्रॉबेरी जेली डोनट जैसे नामों पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, जैसे सामान्य समकक्षों के पक्ष में उन्होंने कहा कि वेप्स को बाल-सुरक्षा तंत्र की भी आवश्यकता होगी। Verrall ने कहा कि सरकार युवा लोगों को का उपयोग शुरू करने से रोकने और धूम्रपान छोड़ने में सहायता के रूप में लोगों को उनका उपयोग करने की अनुमति देने के बीच संतुलन बनाना चाहती है। छह महीने पहले, न्यूजीलैंड ने घोषणा की कि वह वर्तमान में 14 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति के लिए सिगरेट स्थायी रूप से अनुपलब्ध कर देगा, प्रभावी रूप से प्रत्येक वर्ष धूम्रपान की आयु को तब तक बढ़ा देगा जब तक कि पूरी आबादी को कवर नहीं किया जाता। न्यूजीलैंड में धूम्रपान करने वाले वयस्कों की संख्या पहले से ही अपेक्षाकृत कम आठ प्रतिशत है। लेकिन प्रधान मंत्री क्रिस हिपकिंस ने कहा कि युवाओं के लिए नए बलात्कार प्रतिबंधों की आवश्यकता थी। हिपकिंस ने कहा, हमने माता-पिता, शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों से सुना है कि कम उम्र में कई लोगों के लिए जीवन भर की बुरी आदत स्थापित की जा रही है।

अस्थमा एंड रेस्पिरैटरी फाउंडेशन द्वारा 2021 के एक अध्ययन के अनुसार, न्यूजीलैंड में पांच में से लगभग एक किशोर दिन में कम से कम एक बार बलात्कार करता है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा इसी तरह की कार्रवाई करने के एक महीने बाद डिस्पोजेबल वेप्स पर कार्रवाई की गई, जिसमें तम्बाकू कंपनियों पर किशोरों को जानबूझकर लक्षित करके निकोटीन एडिक्ट्स की अगली पीढ़ी को पकड़ने का आरोप लगाया गया। ई-सिगरेट को 2000 के दशक की शुरुआत में पेश किया गया था और शुरुआत में इसे कैसर पैदा करने वाले रसायनों से भरे पारंपरिक सिगरेट के कम हानिकारक प्रतिस्थापन के रूप में बिल किया गया था। लेकिन शोध के एक उभरते निकाय ने दिखाया है कि वाष्प भी अत्यधिक नशे की लत हो सकती है, और अक्सर युवा उपयोगकर्ताओं को अपने निकोटीन को ठीक करने के तरीके के रूप में सिगरेट में बदलना पड़ता है।

**SURYAVEDA COSMECEUTICALS PVT. LTD.**

In-House Research and Development

Third Party COSMETIC Manufacturer

Skincare | Hair Care | Personal Care

- FACE WASH
- FACE SCRUB
- FACE PACK
- FACE CREAM
- FACE SERUM
- SUNSCREEN
- FACE MASSAGE GEL
- FACE TONER
- MOISTURISER
- FACIAL KITS
- BLEACH CREAM
- HAIR REMOVAL CREAM
- HAIR OIL
- GLYCERIN SOAPS
- BODY WASH
- BODY MASSAGE OIL
- HAIR SERUM
- EYE CARE PRODUCTS
- HAND & FOOT CARE PRODUCTS
- LIP CARE PRODUCTS
- HAIR SHAMPOO
- HAIR CONDITIONER
- HAIR STYLING GEL
- PERSONAL HYGIENE PRODUCTS
- DERMA COSMETICS
- HAND HYGIENE PRODUCTS
- SHAVING & BEARD CARE PRODUCTS

Mr. Ashok Kumar Jha  
Director  
M.Sc., MBA, BAMS  
Technical Experience: 27 years

CONTACT US FOR INQUIRES RELATED WITH IT

+91- 8287145039 | 9667097234 | 9897978626  
www.suryavedacosmetics.com | www.suryavedacosmeceuticals.in

**Our Range**

- TABLET
- CAPSULE
- DRY SYRUP
- OINTMENT
- SYRUP
- INJECTABLE
- HERBAL PRODUCTS
- SHAMPOO
- SOAP
- SOFT GEL
- PROTEIN POWDER
- SACHET

**Our Group Companies**

**ZANEKA** Healthcare Ltd.

**Ambience Pharma**

R.D.N. PHARMACEUTICALS

**Avri Lifecare**

**Contributing to the HEALTH of Individuals WORLD WIDE**

**Why WE ?**

- Attractive Packing & Best Quality Medicines
- Latest Molecules & High Efficacy
- Monopoly Rights & Timely Delivery
- Competitive Price with Best Promotional Inputs
- Special Schemes for Nursing Homes & Hospitals.
- Wide Range of More than 400 Products

**OUR TOP SELLING PRODUCTS**

- Ampicillin 250 mg + Diclaxacillin 250 mg Capsule
- Itraconazole 400 SR / 200 / 100 Capsules
- Levofloxacin 250 mg + Ornidazole 500 mg Tablets/Kid Suspension
- Etoricoxib 60 mg + Thiccolchicoside 4 mg Tablets
- Rabeprazole 20 mg + Domperidone 30 mg Capsules
- Esomeprazole 40 mg + Domperidone 30 mg Capsules
- Cefpodoxime Proxetil 200 mg + Ofloxacin 200 mg Tablets
- Lyophilized Sachromyces Boulardii Sachets
- Rabeprazole 20 mg + Levosulpride 75 mg Capsules
- Lactitol Suspension
- Clopedogrel Tablets 75 mg
- Codeine Syrup
- Lactulose 10 g + White Dextrin 3.5 g + Polydextrose 2.1 g & Fructo-oligosaccharides 2.5 g Suspension

**Third Party Manufacturing in WHO-GMP Unit.**

**Dedicated Plant for Clay Products.**

**TRADE ENQUIRES ARE WELCOME FOR PCD / FRANCHISEE / THIRD PARTY MANUFACTURING AT :-**

**Ph. +91-9997971077, +91-9627761357**  
**Email :- ambiencepharma@gmail.com**  
**www.ambiencepharma.com**

### योगी सरकार का निर्देश केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखें डॉक्टर

प्राप्त समाचार के अनुसार योगी सरकार उत्तर प्रदेश की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए हमेशा प्रयासरत रहती है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की जनता के रोजगार से लेकर आवास, राशन, शिक्षा और स्वास्थ्य पर उचित ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में सीएम योगी के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदेश के तमाम सरकारी अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं। सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों को कहा गया है कि अब मरीजों के पर्चों में केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखें। सरकारी अस्पतालों के सभी डॉक्टरों को निर्देश दिया गया है कि इसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाए कि वे दवाइयों को जेनेरिक नाम से ही अपने प्रिस्क्रिप्शन में लिखें। यदि डॉक्टर ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाही की जायेगी। इसके साथ ही अस्पतालों में उचित साफ सफाई की व्यवस्था की जाये। प्रमुख स्वास्थ्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश के तमाम सरकारी अस्पतालों में बेहतर व्यवस्था के लिए निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रत्येक निदेशक, प्रमुख चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी और अधीक्षक हर महीने न केवल अस्पताल के क्रिटिकल परफॉर्मन्स के पैरामीटर का विश्लेषण करें, बल्कि चिकित्सकवार भी इसका विश्लेषण करें कि प्रत्येक ऐसे डॉक्टर, जिनके द्वारा ओपीडी सर्जरी की जा रही है, उनके द्वारा कितने मरीज देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि केयर ऐप में नियमित सप्ताह को उपकरणों की क्रियाशीलता का डाटा उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद जहां कहीं भी कोई उपकरण लंबे वक्त तक यदि क्रियाशील नहीं रहता है, तो सीधे अपर निदेशक, विद्युत से संपर्क किया जाए। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही 108 अस्पतालों को मॉनिटरिंग एकीकृत कोविड कमांडर सेंटर के माध्यम से किया जाएगा। इन अस्पतालों में महत्वपूर्ण जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं और प्रत्येक कैमरे से क्या देखा जाना है, उसकी एसओपी का निर्धारण भी हो चुका है। जो दवाइयां जनपद के ड्रग वेयर हाउस में उपलब्ध हैं, उनको, यदि कोई उपयुक्त कारण न हो, तो अस्पताल में प्राप्त करना और मरीजों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये। दवाइयों की उपलब्धता एक साईन बोर्ड के माध्यम से दवाइयों के काउंटर के पास ऐसे प्रदर्शित की जाए। साईन बोर्ड को नियमित रूप से अपडेट रखा जाये। स्वास्थ्य सचिव ने निर्देश दिए कि आपातकालीन क्षेत्र में चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ की पर्याप्त ड्यूटी लगायी जाये और वहां मरीजों के लिए एंबुलेंस, व्हीलचेयर, स्ट्रेचर और आवश्यक दवाइयों और उपकरणों इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। ओपीडी में मरीजों को दिए जाने वाले भोजना की गुणवत्ता चेक की जाये।

**EXCLUSIVE FRANCHISE OPPORTUNITY**

Tabs, Caps, Inj, Drysyrup, Ointments  
Liquid eyes and ear drops, Protein powder  
Herbal products, Cosmetic soaps, Cream,  
Gel, Oil, Serum & Dietary Supplements.

**AWARD WINNING COMPANY**

- Specialized in innovative products
- Quality brand award winner
- Over 15 years market standing
- Impressive packing
- Attractive pricing
- Technical promotion inputs
- Excellent ROI

**For Business Enquiries**

**9986682777 / 8277076361**

www.minovalife.com | minovalife@gmail.com  
 No. 194/31/2/74 & 75 Ground floor, Beretena Agrahara, Behind Metro  
 Whole Sale, Hosur Road, Bangalore 5600100

**Minova** LIFE SCIENCES PVT. LTD.

## Third Party Manufacturing Monopoly Business Right

For

PCD Franchisee

7409985320

Soenen Healthcare

C.O:- 107-108 Ganjwala Plaza, 1st floor, Bharatpur Gate, Mathura- Vrindavan  
 A.O:- Kinjal Apartment, 4th floor, 41 Sivaji Nagar, Mumbai (W)  
 info.soenen777@gmail.com / www.soenenhealthcare.com

### इस जिले में बनने वाला है सबसे बड़ा ब्लड बैंक

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कंपनीबाग स्थित रेडक्रॉस में 3 करोड़ रुपए की लागत से ब्लड बैंक बनाया जा रहा है। ये ब्लड बैंक बिहार का सबसे बड़ा ब्लड बैंक बनने जा रहा है। यह ब्लड बैंक अत्याधुनिक सुविधाओं से भरपूर होगा। यहां ब्लड सेपरेशन की मशीन भी लगेगी जिसके कारण लाल रक्त कण वाले ब्लड नहीं होने की परेशानी नहीं होगी। रेडक्रॉस के ग्रांड फ्लोर पर ब्लड बैंक चलाने 24 घंटे यहां मरीजों के लिए सुविधा उपलब्ध होगी। मरीज जरूरत के अनुसार, कभी भी ब्लड बैंक से सेवा का लाभ उठा सकते हैं।

रेडक्रॉस के सचिव उदय शंकर प्रसाद ने कहा कि यह ब्लड बैंक उत्तर बिहार के लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। ब्लड सेपरेशन की अत्याधुनिक मशीनों से तुरंत ही होल्ड ब्लड के एक यूनिट रक्त से लाल रक्त कण का तीन यूनिट ब्लड तैयार किया जायेगा। इससे डेंगू, मलेरिया, एनीमिया, ब्लड कैंसर और थैलीसीमिया के मरीजों को खून की परेशानी नहीं होगी। उदयशंकर प्रसाद ने कहा कि मोतीहारी में भी रेडक्रॉस मैटरनिटी अस्पताल बन रही है। इस अस्पताल के निर्माण होने से वहां की गर्भवती महिलाओं को स्पेशलिस्ट अस्पताल में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सेंटर की सारी व्यवस्था रेडक्रॉस करेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाए करने के लिए काम किया जा रहा है।

### देश में खुलेंगे दो हजार जन औषधि केंद्र

प्राप्त समाचार के अनुसार भारत सरकार ने देश भर में दो हजार और जन औषधि केंद्र खोलने का फैसला लिया है। जन औषधि केंद्र खोलने के लिए दो हजार पैक्सों की पहचान की जायेगी। 1 हजार जन औषधि केंद्र इस साल के अगस्त तक खोले जायेंगे। बाकी 1 हजार जन औषधि केंद्र दिसंबर तक खोले जायेंगे। वर्तमान में देश में 9 हजार 400 से अधिक जन औषधि केंद्र मौजूद है। ब्रांडेड दवाइयों की तुलना में जन औषधि केंद्रों पर 50 से 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर दवाइयां मिलती हैं। देशभर में अभी तक नौ हजार चार सौ से अधिक प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। इन केंद्रों में 1,800 तरह की दवाइयां और 285 अन्य मेडिकल डिवाइस उपलब्ध हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया के साथ हुई बैठक में देश भर में दो हजार से अधिक जन औषधि केंद्र खोलने का फैसला लिया गया। केंद्र सरकार के इस निर्णय से पैक्सों की आय बढ़ने और रोजगार सृजन के अवसर पैदा होने के साथ-साथ आम लोगों को सस्ती दर पर दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग इसका अधिक से अधिक फायदा उठा सकेंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर लिखा, सहकारिता क्षेत्र से संबंधित आज एक बड़ा निर्णय लिया गया, जिससे अब PACS प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र भी खोल पायेंगे। इससे PACS से जुड़े लोगों की आय बढ़ेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को कम कीमत पर दवाइयां मिल पायेंगी। मोदी सरकार सहकारिता क्षेत्र को सशक्त कर इससे जुड़े करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। जन औषधि केंद्र खोलने के लिए आधारभूत संरचना के तौर पर स्वयं या किराये का कम से कम 120 वर्ग फुट स्थान होना चाहिए। आवेदन शुल्क पांच हजार रुपये है। विशेष वर्ग के लोगों के लिए आवेदन शुल्क में छूट दी गई है। आवेदकों को मानदंड के तहत व्यक्तिगत पात्रता डी फार्मा या बी फार्मा होना चाहिए। स्वयं की पात्रता नहीं होने पर कोई भी संगठन, एनजीओ, धार्मिक संगठन एवं अस्पताल आवेदन के लिए बी फार्मा अथवा डी फार्मा डिग्रीधारकों को नियुक्त कर सकता है। सरकार की ओर से पांच लाख रुपये (मासिक खरीद का 15 प्रतिशत या अधिकतम 15 हजार रुपये प्रति माह) दी जाती है।

### जून एवं जुलाई माह के त्योंहार

<p>14.06.2023 15.06.2023 20.06.2023 21.06.2023 22.06.2023 27.06.2023</p>	<p>योगिनी एकादशी प्रदोष व्रत भगवान जगन्नाथ रथयात्रा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस गणेश चतुर्थी भडलिया नवमी ईद-उल-जुहा, चतुर्मास प्रारम्भ देव शयनी एकादशी व्रत प्रदोष व्रत गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा श्रावण मास प्रारम्भ गणेश चतुर्थी</p>
--	--

### KPRDO की मीटिंग सम्वन्ध

On behalf of traditional Pharma fraternity, Karnataka Pharma Retailers & Distributors Organization(R) KPRDO, & South Chemists & Distributors Association (SCDA), South Delhi, participated in a historical meeting organized by Health Ministry. at Aroyga Soudha, Bengaluru. In the historical meeting we met, Sri. Dinesh Gundurao, Hon'ble Ministers for Health & family Welfare, Govt. of Karnataka, Sri.T.K.Anil Kumar, IAS, Honorable Principal Secretary, Health & Family Welfare, Sri.B.T. Khanapure, Honorable Drug Controller of Karnataka, Sri.Umesh, Honorable Deputy Drug Controller, Sri Ramesh, Honorable Deputy Drug Controller, and other officials related to the Ministry of Health & Family Welfare, we submitting 3 detailed memorandums & presented issues faced by traditional Pharma fraternity. DETAILS OF 3 MEMORANDUMS DISCUSSED IN THE MEETING: (1) To take action against those selling life-saving medicines on the Internet in violation of Delhi High Court injunction order and stop advertisement on FM radio, Televisions, Social Media platforms - to remove all types of abnormal discount boards installed across the State of Karnataka: (2) Janoushadhi Kendra's violating the agreement of PMBI by selling other branded generics medicines: (3) To amend the law in Karnataka State that not to issue Drug licenses to non-Pharmacists to open retail Pharmacy: The attention of the Hon'ble Health Minister and their Ministry officials was drawn to the above three (4) issues as detailed in our appeal memorandums by KPRDO & SCDA. The Minister of Health, & officials of Ministry carefully observed the arguments of the office bearers of KPRDO & SCDA. And also SCDA highlighted the e-pharmacy "Pharmallama" and its allegedly illegal business activities, which include selling drugs without "outer strips". Health Minister directed the officials of the Ministry of Health and the Honorable Drugs Controller to take appropriate action as soon as possible regarding the above matters addressed in the memorandums. On behalf of our organization I would like to express my heartfelt thanks to Sri Dinesh Gundurao, the Minister of Health & Family Welfare, Principal Secretary, Drugs Controller and all the officials of the Ministry who participated in the historical meeting, for allowing us to draw the attention of the Minister of Health, in detail about the above mentioned three burning issues faced by Traditional Pharma fraternity. And also Heartfelt thanks to Rampath Ji, (Team Leader SCDA) & Yash Agarwal Ji, (Legal Head, SCDA), South Delhi. for coming right time from Delhi and briefing Delhi High Court orders to Hon'be Minister & Ministry. And thanks to dear Mahesh, Yasho Pharma, Bengaluru on behalf of KPRDO, for giving cooperation to the SCDA, South Delhi representatives. This is for your information only. Thanks with regards, C.Jayaram President, Mr. V.Kapper Shetter Secretary, Mr.M.K.Mayanna, Vice President, Mr.Harish Kumar, Admin Secretary and office bearers, & members of KPRDO. Karnataka Pharma Retailers & Distributors Organization (R), Bengaluru. Mobile: 8722248867.

**- Jayaram, Mob: 8722248867**

## Medics Lifecare

(Care & Wellness)  
Committed to Excellence in Healthcare Services

MEDICS LIFECARE headquartered in Roorkee (Uttarakhand), is a pharmaceutical company with having a presence across the nation. We are one of the BEST PCD Pharma companies in India. We ensure innovative, high quality and affordable solutions in medicine. Our prime focus is to be innovative by introducing new products to cater to the advancing medical needs. We have a significant presence across various therapeutic areas like Gynecology, Gastroenterology, Antibiotics, Orthopaedics, Nutraceuticals & Ophthalmic Division.

YOUR ENQUIRIES ARE WELCOME FOR FRANCHISE/PCD & DISTRIBUTION

Monopoly Business Rights for Unrepresented Area all over India  
 More than 100 High Quality Products manufactured under WHO-GMP Norms

- TABLETS • CAPSULES • SOFTGELS • SYRUPS
- DRY STRUPS • INJECTABLES • OINTMENTS

Providing all Marketing Support

Latest & New DCGI Molecules

Complete range of Latest Molecules

Customised Orders

Third Party Enquiries

also Welcome and many more  
 • More than 2000 Drug Approvals  
 • More than 100 Special Drug Approvals  
 • DCGI Approvals also available

Feel Free to Ask For Latest Molecules In:  
 • TABLETS • EYE DROPS • OINTMENTS  
 • CAPSULES • EAR DROPS • LOTIONS  
 • SOFTGELS • SOAPS • DRY STRUPS  
 • STRUPS • NASAL DROPS • INJECTABLES

Corporate Office: 12/8, Civil Lines, Near Dominos Plaza, Roorkee, Dist-Haridwar (U.K.) 247667  
 • info@medicslifecare.com  
 • medicslifecare@gmail.com  
 • medicslifecare@gmail.com  
 • 99991108 • 785555101 • 785555102 • 843028038  
 • www.medicslifecare.com



## फैटी लिवर का पता लगाने के लिए अकेले लिवर फंक्शन टेस्ट अपर्याप्त

यह समझना महत्वपूर्ण है कि NAFLD में रोग प्रक्रिया में बहुत देर होने तक अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। हम शराब से संबंधित जिगर की क्षति के बारे में सुनने के आदी हैं; हालाँकि, छात्र्य अब लगातार सिरॉसिस, लीवर प्रत्यारोपण और मृत्यु दर में अग्रणी योगदानकर्ता बन रहा है। जनता को इस तथ्य पर शिक्षित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि जहाँ अधिक शराब हमारे जिगर को नुकसान पहुंचाती है, वहीं एक गतिहीन जीवन शैली और अधिक भोजन करना और उच्च कैलोरी वाला आहार जैसे कि संसाधित चीनी लगभग शराब से होने वाले नुकसान के समान ही खराब है, जिससे यह एक समान है। आज यकृत रोगों में योगदानकर्ता। भारत में NAFLD में एक प्रमुख योगदान एक निष्क्रिय जीवन शैली और कैलोरी की उच्च खपत, विशेष रूप से कार्ब्स और वसा से संबंधित चयापचय जोखिम कारक हैं। लीवर ट्रांसप्लान्ट चिकित्सक के रूप में मेरे व्यक्तिगत अनुभव में, ट्रांसप्लान्ट के लिए जाने वाले NAFLD के मामले आज लगभग एल्कोहलिक लीवर डिजीज ट्रांसप्लान्ट के बराबर हैं। इस सब में, जो बात इसे और अधिक खतरनाक बनाती है, वह है जनता के बीच जागरूकता की कमी, जो प्रारंभिक अवस्था में ही इसकी रोकथाम के प्रयासों को सीमित कर देती है। वास्तव में, अधिक वजन होना/मोटापा होना या मधुमेह होना फैटी लिवर रोग के लिए दो सबसे प्रमुख जोखिम कारक हैं। इसके अतिरिक्त, हमारा डेटा यह भी इंगित करता है कि डिस्लिपिडिमिया (असामान्य ट्राइग्लिसराइड या कोलेस्ट्रॉल के स्तर), या उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग भी फैटी लिवर के बढ़ते मामलों को दिखा रहे हैं। भारतीय संदर्भ में, 23 से अधिक बीएमआई वाले लोगों को शुरुआती निदान के लिए नियमित रूप से सही निवारक परीक्षण करने चाहिए। पेट की चर्बी एक अन्य प्रमुख संकेतक है; यदि आपकी कमर महिलाओं के लिए 80 सेमी और पुरुषों के लिए 90 सेमी से अधिक है, तो आपके पास पहले से ही फैटी लीवर हो सकता है, और अपने आहार और जीवन शैली को संशोधित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, मेरा दृढ़ विश्वास है कि जनता को स्वस्थ जीवन शैली के बारे में शिक्षित करने से इस बीमारी को रोकने और नियंत्रित करने में काफी मदद मिलेगी। विश्व स्तर पर NAFLD का प्रसार लगभग 25 प्रतिशत (22-28 प्रतिशत) होने का अनुमान है, एशिया में प्रसार लगभग 27 प्रतिशत (22-32 प्रतिशत) है। हालाँकि, हमने भारत में 39 प्रतिशत वयस्कों में और 35 प्रतिशत बच्चों में प्रसार के साथ प्रवृत्ति को बहुत अधिक देखा है। हमने देखा है कि पिछले साल अपोलो हॉस्पिटल्स में स्वास्थ्य जांच करने वाले 3 लाख से अधिक लोगों के एक समूह में, जिसमें शहरी और ग्रामीण आबादी दोनों शामिल हैं, 23 प्रतिशत लोगों में फैटी लिवर की स्थिति पाई गई। इनमें से तीन-चौथाई लोगों का किसी भी शराब का सेवन करने का इतिहास नहीं था, यह दर्शाता है कि शराब के सेवन से परे कारक इस बीमारी में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। लीवर की क्षति का समय पर निदान कितना महत्वपूर्ण है? फैटी लिवर का पता लगाने में लिवर फंक्शन ब्लड टेस्ट कितने फायदेमंद हैं समय पर निवारक हस्तक्षेप निश्चित रूप से यहां एक गेम-चेंजर है और संबंधित स्थितियों और जोखिम कारकों वाले लोगों को निश्चित रूप से बार-बार परीक्षण करवाना चाहिए। फैटी लिवर को रोका जा सकता है और शुरुआत में पता चलने पर इसे ठीक किया जा सकता है। आज लोग अक्सर घरेलू परीक्षण करवाते हैं, जो बड़े

पैमाने पर रक्त परीक्षणों की एक लंबी सूची प्रदान करते हैं, जिसमें लिवर फंक्शन रक्त परीक्षण भी शामिल है। हालाँकि, यह अकेले फैटी लिवर को निर्धारित करने के लिए पर्याप्त नहीं है और यहां तक कि इसे याद भी कर सकता है; फैटी लिवर के शुरुआती निदान के लिए सबसे अच्छी विधि एक अल्ट्रासाउंड परीक्षा है। मधुमेह और प्रोडायबिटीज वाले लोगों के मामले में, 2 में से 1 व्यक्ति में फैटी लिवर होता है, इसलिए यह सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है कि उनकी नियमित जांच के हिस्से के रूप में अल्ट्रासाउंड के साथ-साथ अन्य परीक्षण भी किए जाएं। अपोलो अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चला कि जिन लोगों का अल्ट्रासाउंड स्कैन हुआ उनमें से करीब 38 प्रतिशत में फैटी लीवर पाया गया। अल्ट्रासाउंड के माध्यम से निदान किए गए फैटी लिवर के अधिकांश मामलों (करीब 60%) ग्रेड-1 थे, जो शुरुआती बीमारी का सुझाव देते हैं, और हमें इसे जल्दी ठीक करने का मौका देते हैं। अल्ट्रासाउंड इमेजिंग यकृत में शुरुआती संरचनात्मक परिवर्तनों को भी उठाती है और बहुत पहले के उपचार और जीवनशैली में बदलाव की अनुमति देती है जो यकृत सिरॉसिस और प्रत्यारोपण की आवश्यकता जैसी जटिलताओं को रोक सकती है। तो, NASH (नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस) से पहले एक चरण है और वह है, सिंपल स्टीटोसिस नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर। इस चरण को अक्सर आहार परिवर्तन, व्यायाम और वजन घटाने के साथ उलटा किया जा सकता है। जीवनशैली में बदलाव करना सभी चरणों में महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे रोग की प्रगति को धीमा करने या रोकने में मदद मिलेगी। यहां तक कि उन लोगों में भी जो फाइब्रोसिस और सिरॉसिस जैसे गंभीर चरणों का विकास करते हैं, जीवनशैली में बदलाव करने से आगे की जटिलताओं का प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। लीवर की बीमारियों की रोकथाम में कौन से उपाय मदद कर सकते हैं? यदि NAFLD का निदान किया जाता है, तो उपचार और प्रत्यारोपण कितने सहायक हैं? सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, हमें इस बारे में जागरूक होना चाहिए कि कैसे एक अस्वास्थ्यकर आहार और एक गतिहीन जीवन शैली NAFLD को जन्म दे सकती है। सौभाग्य से, यदि हम अपने वजन, कोलेस्ट्रॉल, रक्त शर्करा के प्रबंधन की दिशा में काम करते हैं और नियमित रूप से निवारक स्वास्थ्य जांच करवाते हैं, तो ये चीजें बदलने की हमारी शक्ति में हैं। दिलचस्प बात यह है कि हमारा शरीर काफी लचीला है, इसलिए फैटी लिवर के शुरुआती चरणों में भी लिवर सामान्य रूप

से काम करने के तरीके खोजता रहेगा। इस प्रकार, अधिकांश व्यक्तियों के लिए, एक संतुलित, स्वस्थ आहार और जीवन शैली लीवर के स्वास्थ्य का समर्थन करने का सबसे अच्छा तरीका है। यह तब जटिल हो जाता है जब NAFLD लिवर के सिरॉसिस में बदल जाता है। वसायुक्त यकृत रोग के उपचार में हाल ही में कुछ सफलताएं और विकास हुए हैं। NASH और लिवर के फाइब्रोसिस वाले रोगियों के लिए, नई दवाएं उपलब्ध हो रही हैं जो लिवर रोग की प्रगति को रोकने और यहां तक कि उन्हें उलटने में मदद करती हैं। भारत में अभी उपयोग के लिए कम से कम तीन से चार दवाएं उपलब्ध हैं, और आने वाले वर्षों में और अधिक स्वीकृत होने की संभावना है। इसके अलावा, वजन कम करने में मदद करने वाली दवाएं भी अच्छी उपचार सफलता के साथ उपलब्ध हो रही हैं। ये दवाएं अधिक उन्नत बीमारियों वाले मरीजों को मदद करने के लिए एक लंबा रास्ता तय करेंगी। हम उन कुछ रोगियों में लिवर प्रत्यारोपण की पेशकश करते हैं जो जटिलताओं और लीवर की विफलता के साथ लिवर सिरॉसिस विकसित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय नैश दिवस में वास्तव में लोगों से आग्रह करना चाहूंगा कि वे सही समय पर सही निवारक कदम उठाकर जीवन शैली में संशोधन और फैटी लिवर रोग जैसी स्थितियों से निपटने की आवश्यकता को समझें। एक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता और राष्ट्र के रूप में हमारी सच्ची जीत तब होगी जब हममें से प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ जीवन शैली, आहार को ईमानदारी से अपनाए और ऐसे गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए उपचारात्मक हस्तक्षेप की आवश्यकता को रोकें।

## न्यायालय के आदेशों का कार्यान्वयन

प्राप्त समाचार के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आदेशों का कार्यान्वयन करने का हम आपका ध्यान हाल ही में भारत के राष्ट्रपति माननीय द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा अदालती आदेशों के क्रियान्वयन और आम लोगों को न्याय दिलाने के संबंध में दिए गए बयान की ओर आकर्षित करने के लिए यह पत्र लिख रहे हैं। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स (मेडिसिन) डीलर्स का संगठन है। हमारी संस्था की सामूहिक सदस्यता लगभग 12.40 लाख है और हमारे थोक और खुदरा पूरे भारत में फैले हुए हैं उन सभी के प्रतिनिधि के रूप में यह पत्र प्रेषित है। हम अवैध रूप से संचालित ई-फार्मसियों के मुद्दे को आपके समक्ष उजागर करना चाहते हैं जो अदालती आदेशों के बावजूद आज भी काम करना जारी रखे हुए हैं। सर्वप्रथम हम माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मांडविया जी का सार्वजनिक स्वास्थ्य और हमारे नागरिकों की भलाई के लिए उनके सकारात्मक सहयोग के लिए आभार व्यक्त करना चाहते हैं। यह उनकी पहल के माध्यम से ही था कि भारत के इम्स कंट्रोलर जनरल द्वारा फरवरी 2023 में अवैध रूप से संचालित ई-फार्मसियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। हालाँकि, मोटिस दिए जाने के बाद से उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। झारखंड उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन के दौरान दिए गए माननीय राष्ट्रपति के बयान ने लोगों को सही मायने में न्याय दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस संबंध में, हम आपका ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करना चाहते हैं कि श्री मनसुख मांडविया जी के प्रयासों और दिल्ली के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा 12 दिसंबर 2018 को जारी निषेधाज्ञा के बावजूद 4.5 वर्ष से अधिक समय से अवैध रूप से संचालित ई-फार्मसी अभी भी संचालन में हैं। (संलग्न 1) दिल्ली के माननीय उच्च न्यायालय के आदेश में स्पष्ट रूप से ऑन लाइन ई फार्मसीज को बिना लाइसेंस के दवाओं की ऑनलाइन बिक्री से रोक दिया गया था और अगले आदेश तक ऐसी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश भी जारी किए थे। केमिस्ट डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन बनाम पुनियन ऑफ इंडिया 3130 ऑफ 2020 के मामले दन ज्वाइंट दूंगा कंट्रोलर (इंडिया) ने एक शपथ पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया था कि ऑनलाइन खुदा दवाओं का मामला सरकार के विचाराधीन था। इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि वर्तमान में ऑनलाइन फार्म के लिए इसी को कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और इस एड कॉस्मेटिक्स कला, 1945 के तहत कोई प्रावधान नहीं है। (2) सतत सीडीएससीओ द्वारा यह समनिशन साष्ट रूप से इंगित करता है कि दवाओं की ऑनलाइन बिक्री के लिए कोई लाइसेंस नहीं है। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशानुसार दवाओं की ऑनलाइन बिक्री तत्काल बंद की जाए। कालपी के इंटरनेट पर दवाओं की बिक्री का सार्वजनिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हालाँकि दिल्ली के माननीय ताता है कि एंड कॉलटिक्स अधिनियम, परी और नियमों में कोई प्रावधान नहीं है जो निर्धारित दवाओं की डोर डिलीवरी शिफिंग, मेलिंग को उपरोक्त कानून के अंतर्गत प्रतिबंधित करता है। (संलग्न 3) यह समनिशन दिल्ली के माननीय उच्च न्यायालय में दायर पहले के हलफनामे का खंडन करता है और हमारे देश के नागरिकों की ताई के बारे में चिंता पैदा करता है। हम आशाकित हैं और हमें अपनी चुनी हुई सरकार और देश के सभी वरिष्ठ कानून के रखवाले ब्यूरोक्रेट्स पर विश्वास है कि वे देश के कानूनों को बनाए रखेंगे और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करेंगे। आपको हमारी उपरोक्त बात पर आपका ध्यान आकर्षित करने हेतु धन्यवाद। हम अदालत के आदेशों के क्रियान्वयन और ई-फार्मसी द्वारा अवैध संचालन को समाप्त करने के लिए आपके हस्तक्षेप और उनके ऊपर तत्काल कार्रवाई का अनुरोध करते हैं। हमारा मानना है कि शीघ्र कार्रवाई करके हम अपने देश के सभी नागरिकों की भलाई की रक्षा कर सकते हैं और न्याय के सिद्धांतों को बनाए रख सकते हैं। - जयाराम, मो० 8722248867.

## पत्र लिखा

प्राप्त समाचार के अनुसार नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को लिखा पत्र फार्मा कंपनी में तैयार होने से मरीज तक पहुंचने में 1483% महंगी हो गई दवा क्या आप यकीन करेंगे कि जो दवा फार्मा कंपनी में जिस कीमत में तैयार होती है, यह आप तक पहुंचते-पहुंचते 1400 फीसदी से भी ज्यादा महंगी हो जाती है। यूटी प्रशासन के ड्रग कंट्रोलर की इंकवायरी में ये तथ्य सामने आया है। इस कंट्रोलर ने तीन अलग-अलग ब्रांड की दवाओं (सिरप) को लेकर जांच की तो पता चला कि ये दवा महज 18 रुपए में तैयार हो रही थी, लेकिन डिस्ट्रीब्यूटर और केमिस्ट शॉप से होते हुए कंज्यूमर को 226.95 रुपए में मिली। इसको एमआरपी 257 पर नी मैनुफैक्चरिंग रेट से 2483 फीसदी महंगी। अब प्रशासन के हेल्थ सेक्रेटरी यशपाल गर्ग ने दवा कंपनियों के खिलाफ उचित कार्रवाई के लिए नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी, नई दिल्ली को लेटर लिखकर कहा है कि ये दवाएं मांड्यूल हैं, इनके एमआरपी पर कोई कंट्रोल नहीं है। इस संबंध में जांच करके उचित कार्रवाई की जाए। दरअसल, यशपाल गर्ग ने खुद से दवाएं 15 अप्रैल को सेक्टर-16 के अस्पताल में सरप्राइज चेकिंग के दौरान खरीदी थी ये आम मरीज बनकर अस्पताल की इमरजे इलाज करवाने गए थे। डॉक्टर ने उन्हें सस्ती दवा की जगह महंगे ब्रांड की दवा लिखकर दे दी थी। उन्होंने डॉक्टर से जवाब तलब किया था और इंकवायरी भी शुरू करवा दी थी। इस इंकवायरी में अब सामने आया है कि जो दवा महज 18 रुपए में बन रही है वह केमिस्ट शॉप पर 200 से 250 रुपए तक पहुंच जाती है और दिखावे के लिए मामूली डिस्काउंट दे दिया जाता है। शेष गढ़ में भी करेंगे मॉनिटरिंग यूनिट का गठन: गर्ग ने इन दवाओं की मैनुफैक्चरिंग कंपनियों और डीलर्स के खिलाफ उचित कार्रवाई के लिए नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को लेटर लिखा है। उन्होंने इस संबंध में जांच की मांग की है। कहा है कि इन ब्रांड की दवाओं के एमआरपी पर किसी का कंट्रोल नहीं है। इनके मैनुफैक्चरर्स और डीलर्स ने संबंधित स्टेट इन अथॉरिटी को इनकी एमआरपी के बारे में जानकारी नहीं दी है। गर्ग ने कहा कि यूटी चंडीगढ़ में फार्मास्यूटिकल प्राइस मॉनिटरिंग रिसोर्स यूनिट का गठन किया जा रहा है ताकि दवाओं के एमआरपी पर कंट्रोल किया जा सके पेट दर्द की इन दवाओं की हुई जांच में ये दवा परवाणु हिमाचल प्रदेश में बन रही है। इस पर एमआरपी 267 रुपए लिखा है, जबकि ये महज 18 रुपए में बन रही है। इसे डिस्ट्रीब्यूटर ने 25 रुपए में खरीदा और बाजार में केमिस्ट शॉप तक ये 171 रुपए की हो गई। अब कंज्यूमर को एमआरपी 267 रुपए पर 15 परसेंट डिस्काउंट के बाद 226.95 रुपए में मिली। रीकेन ये दवा बही में 19 रुपए में तैयार हो रही है, जिसका एमआरपी 159 रुपए लिखा जा रहा है। ये रिटेलर के पास 111.94 रुपए में पहुंची और मरीज को 15 परसेंट डिस्काउंट के बाद 135 रुपए में मिली। यानी मैनुफैक्चरिंग प्राइस से 837 परसेंट महंगी सुफिट ओ ये दवा बही में 18 रुपए में बनती है। इस पर एमआरपी 160 रुपए लिखा गया। ये दवा मरीज को डिस्ट्रीब्यूटर, रिटेलर से होते हुए 136 रुपए में मिल रही है यानी कि 889 फीसदी महंगी।

- राजेंद्र निगम, जौनपुर, मो० 9415555194

## अधिकारियों से मिले

प्राप्त समाचार के अनुसार गोरखपुर उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष पुष्पदंत जैन के नेतृत्व में चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज गिड्रा के अध्यक्ष एंड जायसवाल समिति के अध्यक्ष योगेंद्र चौरसिया, अध्यक्ष किशोर अग्रवाल महामंत्री कमलेश अग्रवाल ने जीएसटी विभाग के ग्रेड वन अधिकारी विमल कुमार राय से मुलाकात की, इस समय जो 2017, 2018 की नोटिस विभाग द्वारा भेजी जा रही है उस के संदर्भ में वार्ता की उन्होंने कहा कि व्यापारियों को नोटिस भेजकर अनावश्यक परेशान किया जा रहा है .जब जीएसटी लगाया गया था तब कहा गया था कि व्यापारियों को कोई परेशानी नहीं होगी लेकिन इस समय विभाग द्वारा नोटिस भेजकर कई सवाल पूछे जा रहे हैं .इस पर ग्रेड वन अधिकारी विमल राय ने सारी बातें व्यापारिक नेताओं को सुनी और आश्वासन दिया कि आप लोग अपना व्यापार निर्भीक होकर करें किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं होगा।

- योगेंद्र नाथ दुबे, गोरखपुर, मो० 9415848486.

"Exclusive marketing & distribution with Monopoly Rights for (Distributors / MRs / ASMs / RSMs) in Unrepresented Area India.

Start Your OWN BUSINESS TODAY

JOIN OUR PHARMA FRANCHISE

Wide Range of Products Covering All Major SEGMENTS

### Why FIERCEONE Pharmaceuticals ?

- Our mottos brands are Registered and Trademarked
- Satisfied more than 1000+ customers.
- Excellent Packing, Reasonable MRP with Competitive price.
- Providing Visual Aids or E-Detailing facilities on your table.
- Catchy Brand Name

### Our Segments

- Tablet / Capsule
- Softgel Capsule
- Suspension / Syrup
- Oral Liquid & Dry Syrup
- Cream, Gel
- Ointment

FOR ANY REQUIREMENT OF READY PRODUCTS YOU CAN CONTACT US

+91 7217014263

outsourcing@fierceonepharma.com

## एनएमसी संपत्ति प्रकटीकरण पर कानून का उल्लंघन कर रहा है

पारदर्शिता का अभाव भारतीय चिकित्सा परिषद के खिलाफ प्रमुख आरोपों में से एक था, जिसके कारण इसे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। हालाँकि, एनएमसी एनएमसी अधिनियम 2019 की धज्जियां उड़ा रहा है, जिसमें यह अनिवार्य है कि आयोग के अध्यक्ष और प्रत्येक सदस्य को परभार ग्रहण करते समय और पद छोड़ते समय अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा करनी चाहिए और घोषणा को एनएमसी वेबसाइट पर प्रकाशित करना चाहिए। एनएमसी ने न सिर्फ इस आदेश का पालन नहीं किया, बल्कि इस बारे में सूचना मांगने वाले एक आरटीआई आवेदन को भी चुनौती दी। 6 अप्रैल को दायर एक आरटीआई आवेदन में एनएमसी अधिनियम 2019 की धारा 6 (6) के आधार पर अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा प्रकटीकरण का विवरण और एनएमसी से कार्यालय छोड़ने वाले सदस्यों के

खुलासे का विवरण मांगा गया था। एनएमसी से कोई जवाब नहीं मिलने पर 7 मई को अपील दायर की गई। हालाँकि, उस पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एनएमसी अधिनियम की धारा 6 (6) के अनुसार, अध्यक्ष और आयोग के प्रत्येक सदस्य को अपने कार्यालय में प्रवेश करने के समय और अपने कार्यालय छोड़ने के समय अपनी संपत्ति और अपनी देनदारियों की घोषणा करनी होगी और उनकी भी घोषणा करनी होगी। पेशेवर और व्यावसायिक जुड़ाव या इस तरह के रूप और तरीके में शामिल होना, और ऐसी घोषणा आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। हालाँकि एनएमसी के पहले अध्यक्ष डॉ. सुरेशचंद्र शर्मा का कार्यकाल जारी है, कई अन्य सदस्यों का कार्यकाल पिछले साल सितंबर में समाप्त हो गया और उनका कोई भी विवरण एनएमसी की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया गया है। स्वास्थ्य पर 92वीं संसदीय स्थायी

समिति की रिपोर्ट, जिसने एमसीआई को भंग करने के लिए कहा था, ने कहा था कि एमसीआई अपने कामकाज में जवाबदेह या पारदर्शी नहीं है। यह कहते हुए एमसीआई की संरचना अपारदर्शी और विषम थी, समिति ने सिफारिश की कि चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के नियामक ढांचे में प्रतिष्ठा और अखंडता के उच्चतम मानकों के पेशेवर शामिल होने चाहिए, जिन्हें एक कठोर और स्वतंत्र चयन प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्त किया जाना चाहिए। यह प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। नामांकन मांगा जा सकता है, लेकिन अंतिम चयन का कारण सार्वजनिक किया जाना चाहिए," समिति ने कहा। हालाँकि, NMC में नियुक्तियां हमेशा की तरह अपारदर्शी हैं। टीओआई द्वारा एनएमसी को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। प्रतिक्रिया मिलने पर कहानी को ऑनलाइन अपडेट किया जाएगा।

## NASH जागरूकता

लंदन: 2023 में अंतर्राष्ट्रीय NASH दिवस (8 जून) के लिए बढ़ी हुई प्रतिक्रिया गैर-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस NASH के बारे में जागरूकता बढ़ाने में उद्योग और सार्वजनिक निकायों दोनों की बढ़ती रुचि को प्रदर्शित करती है। ग्लोबलडाटा का कहना है कि यह बीमारी के बढ़ते प्रसार को दर्शाता है, साथ ही हाल के नैदानिक परीक्षण विकास को भी। जय पटेल, फार्मा एनालिटिक्स, GlobalData ने टिप्पणी की, NASH अंतरिक्ष में प्रमुख कंपनियों ने अंतर्राष्ट्रीय NASH दिवस के साथ संरेखित करने के लिए महत्वपूर्ण जागरूकता पहलों को समयबद्ध किया। ड्रग निर्माता इन्वैटिवा ने

डायग्नोस्टिक्स कंपनी इकोसेंस के साथ एक संयुक्त NASH जागरूकता अभियान शुरू करने की योजना बनाई है, जबकि उद्योग के नेता मेडिगल NASH के जोखिम वाले रोगियों के लिए एक नया डिजिटल शैक्षिक अभियान शुरू कर रहे हैं। मेडिगल के ड्रग कैंडिडेट, रेस्मेटीरोम का अनुमान ग्लोबलडाटा ने 2029 तक +2.3 बिलियन की बिक्री करने का अनुमान लगाया है इसके अलावा, यूके की संसद ने अंतर्राष्ट्रीय एनएसएसएच दिवस पर मोटापे और फैटी लीवर की बीमारी को रोकने के लिए एक निर्धारित बहस की घोषणा की है, जो मुख्य रूप से गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग

(एनएएफएलडी) पर US FDA की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ड्रग्स एडवाइजरी कमेटी (GIDAC) को प्रदान किए गए एक हालिया ब्रीफिंग दस्तावेज में, FDA ने कहा कि छह से आठ मिलियन अमेरिकी इंटरसेप्ट के ओबेटीकोलिक एसिड के साथ इलाज के लिए पात्र होंगे, क्या इसे अनुमोदित किया जाना चाहिए। यह देखते हुए कि एनएसएसएच यकृत की विफलता या कैंसर में प्रगति कर सकता है, बढ़ती व्यापकता और जागरूकता की सामान्य कदमी सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए प्रमुख मुद्दे हैं, विशेष रूप से विकसित देशों में बढ़ती मोटापे की दर के साथ।

## डायबिटीज की दवा लॉन्ग कोविड की गोली हो सकती है

एक अध्ययन के अनुसार, कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण के तीन दिनों के भीतर मधुमेह की दवा मेटफॉर्मिन लेने से लंबे समय तक कोविड विकसित होने का जोखिम 40% तक कम हो सकता है। लैसैट में रिपोर्ट किए गए अमेरिकी परीक्षण में 1,126 अधिक वजन वाले और मोटे रोगी शामिल थे, जिनमें से 35 को प्लेसबो पर मेटफॉर्मिन बनाम 58 लेने के बाद स्थायी लक्षणों का निदान किया गया था। स्टडी में पहले से लॉन्ग कोविड से पीड़ित लोगों पर दवा के प्रभाव का आकलन नहीं किया गया। एक नए अध्ययन में कहा गया है कि SARS-CoV-2 के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली मधुमेह की दवा मेटफॉर्मिन लेने से लंबे समय तक कोविड विकसित होने का जोखिम 40% तक कम हो सकता है। मेटफॉर्मिन का उपयोग टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों में रक्त शर्करा को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है और भारत में इस बीमारी के इलाज के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। लैसैट में प्रकाशित अमेरिकी अध्ययन में 1,126 अधिक वजन वाले और मोटे लोग शामिल थे, जिसमें पाया गया कि लगभग 6.3% प्रतिभागियों (35/564) ने, जिन्होंने कोविड के लिए सकारात्मक परीक्षण के तीन दिनों के भीतर दवा ली, 10.4% की तुलना में 10 महीने के भीतर लंबे समय तक कोविड निदान की सूचना दी। (58/562) जिन्हें प्लेसबो मिला था। मेटफॉर्मिन ने परीक्षण में लंबे कोविड के 40% से अधिक मामलों को रोका, यह कहा। लैसैट ने कहा कि यह पहला प्रकाशित रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल है, जिसमें यह सुझाव दिया गया है कि कोविड के तीव्र चरण के दौरान ली गई दवा लंबे समय तक रहने वाले कोविड के जोखिम को कम करने में सक्षम हो सकती है। लेखकों ने, हालांकि, कहा कि आगे के अध्ययन किए जाने चाहिए क्योंकि परीक्षण ने उन लोगों पर दवा के प्रभाव को नहीं देखा, जिनके पास पहले से ही लंबे समय तक कोविड था। तो यह लंबे समय तक कोविड के इलाज के रूप में मेटफॉर्मिन के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं निकाल सकता है, यह कहा, लेखकों ने लो बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) और पिछले कोविड संक्रमण वाले लोगों पर और परीक्षण करने का सुझाव दिया। यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा मेडिकल स्कूल के पहले लेखक डॉ. कैरोलिन ब्रैमेट ने कहा, लॉन्ग कोविड एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है, जिसमें स्थायी शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक प्रभाव हो सकते हैं, विशेष रूप से सामाजिक आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समूहों में। उनके अनुसार, इस बीमारी को रोकने के लिए संभावित उपचार और तरीके खोजने की तत्काल आवश्यकता है। ब्रैमेट ने कहा, हमारे अध्ययन से पता चला है कि मेटफॉर्मिन, एक दवा जो सुरक्षित, कम लागत वाली और व्यापक रूप से उपलब्ध है, लंबे समय तक कोविड के निदान के जोखिम को काफी हद तक कम कर देती है, जब इसे पहले बार कोरोनावायरस से संक्रमित किया जाता है। (लेकिन) यह परीक्षण यह संकेत नहीं देता है कि मेटफॉर्मिन उन लोगों के लिए उपचार के रूप में प्रभावी होगा जिनके पास पहले से ही लंबे समय तक कोविड है।

## अस्पताल में आग लगने से 20 नवजातों को बचाया गया

अधिकारियों ने कहा कि पश्चिमी दिल्ली की वैशाली कॉलोनी के एक अस्पताल में तड़के आग लगने के बाद 20 नवजात शिशुओं को बचाया गया और नजदीकी चिकित्सा सुविधाओं में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम हर्षवर्धन ने कहा कि आग नेस्ट न्यूबॉर्न एंड चाइल्ड अस्पताल में लगी। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने की सूचना 1:35 बजे मिली, जिसके बाद नौ दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल विभाग के मुताबिक, आग पर रात 2:25 बजे काबू पा लिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा, आग इमारत के बेसमेंट में लगी थी, जहां कुछ फर्नीचर और कागजात जमा थे। लगभग 180 वर्ग गज में फैली इमारत में बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर तीन फ्लोर शामिल हैं। उन्होंने कहा, अस्पताल पहली मंजिल पर स्थित था। वहां भर्ती 20 नवजात शिशुओं को हमारी टीम ने सुरक्षित बचा लिया। इनमें से 13 बच्चों को जनकपुरी के आर्य अस्पताल में, दो को द्वारका मांडू के न्यू बॉर्न एंड चाइल्ड अस्पताल में, दो को जनकपुरी के जेके अस्पताल में और तीन को छुट्टी दे दी गई। गर्ग ने कहा कि अस्पताल के पास अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं था। जिस इलाके में इमारत स्थित थी, वहां संकरी गलियां थीं और दमकल गाड़ियों के लिए इमारत तक पहुंचना मुश्किल था। सौभाग्य से, इमारत दमकल केंद्र के करीब स्थित है और दमकलकर्मी वहां समय पर पहुंच सकते थे, उन्होंने कहा। अग्निशमन अभियान का विवरण साझा करते हुए, गर्ग ने कहा, दो टीमों का गठन किया गया था। अग्निशमकों की एक टीम आग बुझाने में शामिल थी और यह सुनिश्चित किया गया था कि आग ऊपरी मंजिलों तक न फैले। चूँकि पहले से ही पर्याप्त पानी का उपयोग किया जा चुका था, इसलिए आग पर काबू पाया गया। समाहित था लेकिन पहली मंजिल धुएं से घिरी हुई थी। इस बीच, दूसरी टीम सभी नवजात शिशुओं को पहली मंजिल से बचाने में कामयाब रही और उन्हें सुरक्षित कमरे में स्थानांतरित कर दिया। बाद में, उन्हें अन्य चिकित्सा सुविधाओं में भर्ती कराया गया, उन्होंने कहा। डीसीपी वर्धन ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आग लग गई थी ग्राउंड फ्लोर पर शॉर्ट सर्किट के कारण बाहर। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हमने इमारत के मालिक के साथ-साथ अस्पताल के मालिक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 285 (आग या ज्वलनशील पदार्थ के संबंध में लापरवाह आचरण) और 336 (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य) के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने कहा।

## US FDA पैल ने Eisai-Biogen अल्जाइमर की दवा Leqembi के लिए अनुमोदन का समर्थन किया

**नई दिल्ली:** विशेषज्ञ सलाहकारों के एक पैल ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि ईसाई और बायोजेन की अल्जाइमर दवा लेकेंबी के अंतिम चरण के परीक्षण ने बीमारी के प्रारंभिक चरण में उन लोगों के लिए उपचार के लाभ को सत्यापित किया, जिससे पारंपरिक उपचार का रास्ता साफ हो गया। अमेरिका की मंजूरी। पैल के सभी छह सलाहकारों ने दिमाग खराब करने वाली बीमारी के इलाज के लिए लेकेंबी के पक्ष में मतदान किया। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा नियमित अनुमोदन, 6 जुलाई तक अपेक्षित निर्णय - उपचार के लिए मेडिकेयर भुगतान का विस्तार करने की संभावना है। यह अनुमोदन लेकेंबी को नियामक मील का पत्थर हासिल करने वाली पहली रोग-संशोधित दवा भी बना देगा। वर्तमान उपचार केवल लक्षणों का इलाज करते हैं, लेकिन अल्जाइमर एसोसिएशन के अनुसार, बीमारी के पाठ्यक्रम को नहीं बदलते हैं, जो 6 मिलियन अमेरिकियों को प्रभावित करता है। मस्तिष्क से चिपचिपे एमिलॉयड सजीले टुकड़े को हटाने की अपनी क्षमता के आधार पर लेकेंबी ने जनवरी में एफडीए द्वारा त्वरित अनुमोदन प्राप्त किया। पैल ने Eisai के बड़े पुष्टिकारक परीक्षण पर विचार किया, जिसे दवा से रोगियों को लाभ दिखाने के लिए डिजाइन किया गया था। नवंबर में प्रकाशित उस अध्ययन ने अल्जाइमर के शुरुआती रोगियों में संज्ञानात्मक गिरावट को 27 प्रतिशत तक धीमा कर दिया, लेकिन कुछ रोगियों के लिए कुछ गंभीर दुष्प्रभावों से भी जुड़ा था, जिसमें मस्तिष्क की सूजन और रक्तस्राव या माइक्रोहेमरेज शामिल थे। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर पैल सदस्य डॉ. तान्या सिमुनी ने कहा, भ्रम मानना है कि लाभ बनाम जोखिम लाभकारी, स्वीकार्य और उपचार के इस वर्ग के अनुरूप है, विशेष रूप से बीमारी के बोझ और रोग की प्रगतिशील प्रकृति को देखते हुए। फोनवर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन। कुल मिलाकर, यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करता है कि यह जनसंख्या में एक प्रभावित उपचार है जैसा कि इसे परिभाषित किया गया था, बैनर अल्जाइमर संस्थान में समिति के अध्यक्ष और अल्जाइमर विशेषज्ञ डॉ. रॉबर्ट अलेक्जेंडर ने कहा। उन्होंने कहा कि उन्होंने सोचा कि अध्ययन स्पष्ट रूप से नैदानिक लाभ का प्रदर्शन करता है, परिणामों को मजबूत कहते हैं। दुष्प्रभाव एफडीए ने पैल से कुछ रोगियों की आबादी में लेकेंबी के दुष्प्रभावों पर ध्यान देने के लिए भी कहा। इनमें रक्त के थक्कों को रोकने वाली दवाएं लेने वाले मरीज शामिल थे, जिनके पास APOE4 नामक जीन संस्करण है जो अल्जाइमर के जोखिम को बढ़ाता है, और वे जो सेरेब्रल अमाइलॉइड एंजियोपैथी (सीएए) नामक एक दुर्लभ स्थिति वाले हैं, जिसमें प्रोटीन अमाइलॉइड जो दवा लक्ष्य बनाता है मस्तिष्क में धमनियों की दीवारों में और रक्तस्राव का कारण बन सकता है। पैल के सदस्यों ने आम तौर पर कहा कि APOE4 जीन की दो प्रतियों वाले लोगों के लिए जोखिम दवा के लाभों से संतुलित थे, हालांकि उन्होंने एफडीए से जोखिम जीन के लिए आनुवंशिक परीक्षण की सिफारिश करने वाली दवा के निर्धारित लेबल में भाषा को मजबूत करने का आग्रह किया। पैल के कुछ लोगों ने एंटीकोआगुलेंट लेने वाले रोगियों को लेकेंबी देने के बारे में चिंता जताई। दूसरों ने कहा कि रोगियों को जोखिम के बारे में जागरूक होने तक विकल्प दिया जाना चाहिए। पैल ने यह भी कहा कि वह सीएए वाले रोगियों को दवा लेने से बाहर करने की सिफारिश नहीं करेगा, जिसका निदान करना कठिन हो सकता है। इसने मस्तिष्क रक्तस्राव के बढ़ते जोखिम के कारण सेरेब्रल अमाइलॉइड एंजियोपैथी से संबंधित सूजन नामक स्थिति के सबसे गंभीर मामलों वाले रोगियों में लेकेंबी के उपयोग को सीमित करने का सुझाव दिया। त्वरित अनुमोदन के तहत, मेडिकेयर ने क्लिनिकल परीक्षण में उन लोगों के लिए दवा का भुगतान प्रतिबंधित कर दिया, लेकिन लेकेंबी के लिए ऐसा कोई परीक्षण नहीं चल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप नगण्य बिक्री हुई है। अधिकांश अमेरिकी अल्जाइमर रोगी मेडिकेयर-पात्र हैं। मेडिकेयर चलाने वाली संघीय एजेंसी ने कहा है कि अगर डॉक्टर स्वास्थ्य एजेंसी डेटाबेस में भाग लेते हैं, जिसे रजिस्ट्री के रूप में जाना जाता है, तो यह उपचार के लिए भुगतान करेगा, लेकिन अभी तक इसकी योजना का विवरण जारी नहीं किया है। वॉल स्ट्रीट के विश्लेषक व्यापक रूप से उम्मीद करते हैं कि एफडीए दवा के लिए पारंपरिक मंजूरी देगा। विश्लेषकों ने 2026 में लेकेंबी की बिक्री 1 बिलियन डॉलर से ऊपर और 2030 तक 5.7 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान लगाया है हम एफडीए सलाहकार समिति के साथ पूर्ण समझौते में हैं कि लेकेंबी नैदानिक लाभ प्रदान करता है और यह लाभ जोखिम से अधिक है।

## इस्तीफा स्वीकार होने के बाद हड़ताल वापस

**मुंबई:** पांच दिनों से हड़ताल पर चल रहे जेजे अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों ने राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान निदेशालय के पूर्व प्रमुख डॉ. टीपी लहाने का इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त करने का फैसला किया। DMER), और डॉ. रागिनी पारेख, नेत्र विज्ञान की प्रमुखा। महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (एमएआरडी) की ओर से बढ़ते खतरे के जवाब में सरकार ने इन अनुभवी डॉक्टरों के इस्तीफे को तेजी से स्वीकार करने का काम किया। डॉक्टरों के संघ ने रविवार को एक बयान में कहा, मर्द जेजे अस्पताल हड़ताल वापस ले रहा है क्योंकि हमारी अधिकांश शिकायतों का समाधान कर दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि जेजे अस्पताल के नेत्र विज्ञान विभाग की चिंताएं और समस्याएं नई नहीं हैं। पिछले 25 वर्षों से, इस विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर सर्जिकल क्षमताओं की कमी से पीड़ित हैं। सर्जरी सीखने आए रेजिडेंट डॉक्टर सर्जरी के अलावा सब कुछ सीख रहे थे, एमएआरडी ने दोहराया, यह रेखांकित करते हुए कि उन्होंने काम क्यों बंद कर दिया। पत्र में कहा गया है, डॉ. टीपी लहाने सर का नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में योगदान निर्विवाद रूप से पर्याप्त है, हालांकि, रेजिडेंट डॉक्टर की शैक्षिक हानि का मुद्दा काफी गंभीर था। हड़ताल वापस लेते हुए, डॉक्टरों ने उनकी शिकायतों को सुनने के लिए महाराष्ट्र सरकार और चिकित्सा शिक्षा मंत्री गिरीश महाजन को धन्यवाद दिया। एमएआरडी डॉक्टरों ने सरकार से नेत्र विज्ञान विभाग में लॉबि बकाया और वजीफे के मुद्दों को निपटाने का भी आग्रह किया। जेजे अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि नागपुर के इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज के डॉ. रवि चौहान सोमवार को विभागाध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। डीन डॉ. पल्लवी सपले ने कहा, पंचविगाम में केवल दो स्थायी नियुक्त थे, जिनमें से एक ने इस्तीफा दे दिया है। अगले कुछ हफ्तों में, हम लेक्चरर और एसोसिएट प्रोफेसरों की नियुक्ति करेंगे और यूनिट सिस्टम की स्थापना करेंगे। नेत्र विज्ञान विभाग तत्काल कुछ हफ्तों में बंद हो जाएगा क्योंकि चीजों को सुव्यवस्थित करने में समय लगेगा। डॉ. लहाने ने सर्जरी जारी रखने और अपने निजी मेडिकल सेटअप के माध्यम से वंचित रोगियों को चिकित्सा देखभाल प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

## सिद्धपुर में खराब चिकित्सा सेवाओं को लेकर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे हाईकोर्ट

**अहमदाबाद:** गुजरात उच्च न्यायालय ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जय नारायण व्यास द्वारा अपने गुहानगर पाटन जिले के सिद्धपुर में खराब सार्वजनिक अस्पतालों और आयुर्वेद और होम्योपैथी कॉलेजों की शिकायत करने वाली जनहित याचिका दायर करने के बाद राज्य सरकार से जवाब मांगा है। व्यास 2007 और 2012 के बीच स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के लिए कैबिनेट मंत्री और सिद्धपुर से विधायक थे। उन्होंने हाल ही में सतारूढ़ भाजपा छोड़ दी और विपक्षी कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने मांग की कि सरकार को सिद्धपुर सामान्य अस्पताल, कैंसर अस्पताल में डॉक्टरों के रिक्त पदों को भरने का निर्देश दिया जाए और किडनी विभाग में। उन्होंने दावा किया कि जबकि द्वितीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिए 80 प्रतिशत रिक्तियां भर दी गई हैं, इन अस्पतालों में डॉक्टर पूरी ताकत से उपलब्ध नहीं हैं। व्यास के वकील मकबूल मंसूरी ने कहा कि इन अस्पतालों में डॉक्टरों के पद खाली होने के कारण 10 मंजिला अस्पताल की इमारत में केवल ओपीडी और आर्थोपेडिक विभाग ही काम कर रहा है। वकील ने आयुर्वेद कॉलेज भवन की तस्वीरें भी पेश कीं, यह तर्क देने के लिए कि इसकी जर्जर स्थिति बताती है कि कॉलेज और अस्पताल भी काम नहीं कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि ये अस्पताल और कॉलेज 2012 में बनाए गए थे। उच्च और सराहनीय महत्वाकांक्षाओं के बावजूद, उनके प्रबंधन और प्रशासन के प्रति सामान्य उदासीनता है। इससे कई मरीज पड़ोसी राज्य राजस्थान में इलाज कराने आते हैं। याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत किया कि उन्होंने 2018 में सरकारी अधिकारियों को अभ्यावेदन दिया था, जिसमें अनुरोध किया गया था कि वे सिद्धपुर में अस्पतालों को उचित और प्रभावी कामकाज के लिए अहमदाबाद में IKDRC और GCRI के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञान को तेजी से लागू करें, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील मनीषा लवकुमार ने कोर्ट को बताया कि सामान्य अस्पताल में डॉक्टरों के 12 पदों में से 11 भरे जा चुके हैं और कैंसर अस्पताल में सात पदों में से छह भरे जा चुके हैं। किडनी विभाग में सात में से छह पद खाली हैं। कोर्ट ने इन रिक्तियों को नहीं भरे जाने का कारण जानना चाहा और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। अगली सुनवाई के लिए 26 जून की तिथि निर्धारित की गयी है।

## यूके+50 मिलियन पायलट में मोटापे की दवाओं तक व्यापक पहुंच का पता लगाएगा

**नई दिल्ली:** यूनाइटेड किंगडम मोटापे की दवाओं को अस्पताल की सेटिंग के बाहर लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाने के तरीकों का पता लगाएगा और एक नए 40 मिलियन पाउंड (+ 50 मिलियन) के दो साल के पायलट कार्यक्रम में एनएचएस प्रतीक्षा सूची में कटौती करेगा, जबकि ब्रिटिश प्रधान मंत्री सनक ने कहा है कि अस्पताल की प्रतीक्षा सूची में कटौती करना उनकी प्राथमिकताओं में से एक है, इंग्लैंड में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ने कठिन सर्दियों का सामना किया, प्रतीक्षा सूची रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, और दो अंकों की मुद्रास्फीति के बीच उच्च वेतन के लिए कर्मचारी हड़ताल कर रहे थे। स्वास्थ्य और देखभाल उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय संस्थान (एनआईसीई) दवा तिरहेपेटाइड के संभावित एनएचएस उपयोग पर भी विचार कर रहा है, जिसे वर्तमान में मधुमेह के इलाज के लिए लाइसेंस दिया गया है, लेकिन अगर आने वाले महीनों में लाइसेंस प्राप्त होता है, तो यह वजन घटाने में भी मदद कर सकता है। बयान में कहा गया है कि पायलट यह देखेगा कि कैसे सामान्य चिकित्सक इन दवाओं को सुरक्षित रूप से लिख सकते हैं और कैसे एनएचएस समुदाय या डिजिटल रूप से सहायता प्रदान कर सकता है। सरकार ने कहा कि एनआईसीई ने इस साल की शुरुआत में वजन घटाने वाली दवा सेमालुटाइड (वेगोवी) की सिफारिश की थी, लेकिन सलाह दी कि यह केवल विशेषज्ञ वजन प्रबंधन सेवाओं के माध्यम से उपलब्ध होनी चाहिए, जो बड़े पैमाने पर अस्पताल आधारित हैं, और इसलिए इसका मतलब कम पहुंच होगा। (+1 = 0.8051 पाउंड)।

## PAL SURGICAL INDUSTRIES (Regd.)

Complete Hospital, Lab Solutions Since 1953

Hospital Clothing, Bedding Materials

such as Surgeon Gowns Suits,

Doctor's Cots, Caps, Face Mask, PP Kits

Patient Kurta Pyjama, Pharma Lab Uniform

Disposable HIV Kit, maternity Kits, Bird Flu Kit

Water Beds, Mackintosh, All other School Uniforms

Palco Brand of India Pride of India

1802, FF, Electrical Market, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi - 110006

9891177191 8377951686, 8800406997

palsurgical1953@gmail.com



**Beingwell Healthcare**  
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)

**Your enquires are Welcome for Franchisee/PCD & Distribution Monopoly Business for Unrepresented Area.**

**ALL OVER INDIA**

Tablet	Capsules	Ointment	Injection
Soft Gel Cap.	Syrup	Ayurvedic	Sachet

**LATEST & NEW DCGI MOLECULES**

Parties looking for entire state URGENTLY CALL

9816702610  
750889990



**Full Promotional Support -**

- Attractive Promotional Corporate
- Gifts
- Visual Aids
- Order Book
- Reminder Card
- Catch Covers
- MR Bags

Third party manufacturing proposals invited

**Call for more Details**

SCO : 485, 2nd, Floor, M. Market, Manimajra, Chandigarh-160101  
Contact: 172-5024875, 7508899900, 9816702610  
Email : beingwell2015@gmail.com  
Website : www.beingwellhealthcare.co.in

## सिद्धपुर में खराब चिकित्सा सेवाओं को लेकर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे हाईकोर्ट

**अहमदाबाद:** गुजरात उच्च न्यायालय ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जय नारायण व्यास द्वारा अपने गृहनगर पाटन जिले के सिद्धपुर में खराब सार्वजनिक अस्पतालों और आयुर्वेद और होम्योपैथी कॉलेजों की शिकायत करने वाली जनहित याचिका दायर करने के बाद राज्य सरकार से जवाब मांगा है। व्यास 2007 और 2012 के बीच स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के लिए कैबिनेट मंत्री और सिद्धपुर से विधायक थे। उन्होंने हाल ही में सतारूढ़ भाजपा छोड़ दी और विपक्षी कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने मांग की कि सरकार को सिद्धपुर सामान्य अस्पताल, कैंसर अस्पताल में डॉक्टरों के रिक्त पदों को भरने का निर्देश दिया जाए और किडनी विभाग में। उन्होंने दावा किया कि जबकि द्वितीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिए 80 प्रतिशत रिक्तियां भर दी गई हैं, इन अस्पतालों में डॉक्टर पूरी ताकत से उपलब्ध नहीं हैं। व्यास के वकील मकबूल मंसूरी ने कहा कि इन अस्पतालों में डॉक्टरों के पद खाली होने के कारण 10 मंजिला अस्पताल की इमारत में केवल ओपीडी और आर्थोपेडिक विभाग ही काम कर रहा है। वकील ने आयुर्वेद कॉलेज भवन की तस्वीरें भी पेश कीं, यह तर्क देने के लिए कि इसकी जर्जर स्थिति बताती है कि कॉलेज और अस्पताल भी काम नहीं कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि ये अस्पताल और कॉलेज 2012 में बनाए गए थे। उच्च और सराहनीय महत्वाकांक्षाओं के बावजूद, उनके प्रबंधन और प्रशासन के प्रति सामान्य उदासीनता है। इससे कई मरीज पड़ोसी राज्य राजस्थान में इलाज करने आते हैं। याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत किया कि उन्होंने 2018 में सरकारी अधिकारियों को अभ्यावेदन दिया था, जिसमें अनुरोध किया गया था कि वे सिद्धपुर में अस्पतालों के उचित और प्रभावी कामकाज के लिए अहमदाबाद में प्लाक और ठेक के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन को तेजी से लागू करें, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील मनीषा लवकुमार ने कोर्ट को बताया कि सामान्य अस्पताल में डॉक्टरों के 12 पदों में से 11 भरे जा चुके हैं और कैंसर अस्पताल में सात पदों में से छह भरे जा चुके हैं। किडनी विभाग में सात में से छह पद खाली हैं। कोर्ट ने इन रिक्तियों को नहीं भरे जाने का कारण जानना चाहा और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। अगली सुनवाई के लिए 26 जून की तिथि निर्धारित की गयी है।

## हिमाचल प्रदेश में नकली और घटिया दवाओं को लेकर हर महीने DCA करेगा निरीक्षण

प्राप्त समाचार के अनुसार हिमाचल प्रदेश में लगातार नकली और घटिया दवाओं का मामला सामने के बाद ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (DCA) ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब हर महीने डीसीए दवाओं का निर्माण करने वाले परिसरों का निरीक्षण करेगा। नकली, मिलावटी और घटिया दवाओं का निर्माण करने वाली इकाइयों में निरीक्षण का आदेश (DCA) मुख्य सचिव ने राज्य में गुणवत्तापूर्ण दवाओं के निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए डीसीए के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में डीसीए के अधिकारियों को नकली, मिलावटी और घटिया दवाओं का निर्माण करने वाली इकाइयों में निरीक्षण बढ़ाने के निर्देश दिए गए। श्रेणी ए के अपराध जो नकली और मिलावटी दवाओं के निर्माण से संबंधित हैं, अतिरिक्त विनियमन को आकर्षित करेंगे और उनके परिसरों का हर महीने निरीक्षण किया जायेगा। दवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल भी लिए जायेंगे जबकि नए निर्देशों के मुताबिक ऐसी इकाइयों की सालाना समीक्षा की जायेगी। श्रेणी बी के गंभीर दोषों से संबंधित अपराध जो घोर लापरवाही या विनिर्माण मानदंडों के अनुरूप न होने के कारण दवाओं की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं, उन्हें त्रैमासिक निरीक्षण और नमूने लेने का सामना करना पड़ेगा। ऐसी इकाइयों की वार्षिक आधार पर समीक्षा भी की जायेगी। इस साल हिमाचल प्रदेश की 76 दवाओं के नमूने घटिया पाए गए सीडीएससीओ द्वारा साल 2023 में जारी किए गए मासिक अलर्ट में स्पष्ट किया गया है कि इस साल हिमाचल प्रदेश में बनने वाली 76 दवाओं के नमूने घटिया पाए गए थे। शीर्ष दवा नियामक सीडीएससीओ के द्वारा साल 2022 में जारी घटिया दवाओं की सूची में लगभग 20 दवा इकाइयों के नमूने बार-बार पाए गए थे। ऐसी इकाइयों अब डीसीए की जांच के दायरे में थीं। ऐसे में अब दवा निर्माताओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी दवाइयों का निर्यात करने से पहले हर बैच का परीक्षण करें और पर्याप्त कर्मचारियों के साथ-साथ काम के बोझ और एक इकाई की परीक्षण क्षमता की प्रतिनियुक्ति करें। नकली, मिलावटी और घटिया दवाओं के निरीक्षण को बढ़ाने के अलावा अच्छी प्रयोगशाला पद्धतियों के अनिवार्य पालन पर भी जोर दिया गया है।

## मध्य प्रदेश सरकार COVID-19 मानदंडों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ मामलों को वापस लेगी

**भोपाल:** मध्य प्रदेश सरकार ने तालाबंदी के दौरान COVID-19 मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए सामान्य धाराओं के तहत दर्ज मामलों को वापस लेने की घोषणा की, राज्य के गृह मंत्री और सरकार के प्रवक्ता नरोत्तम मिश्रा ने कहा। लॉकडाउन के दौरान, मास्क न पहनने या सार्वजनिक रूप से इकट्ठा होने जैसी गतिविधियों के लिए नागरिकों के खिलाफ इस आधार पर मामले दर्ज किए गए थे कि यह संभावित रूप से वायरल संक्रमण फैला सकता है। मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री के निर्देश पर, सरकार ने लॉकडाउन अवधि के दौरान COVID-19 मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए सामान्य धाराओं (गैर-गंभीर अपराधों के लिए लागू) के तहत दर्ज मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने कहा कि सीओवीआईडी-19 मानदंडों के उल्लंघन के लिए दर्ज मामलों की सही संख्या वर्तमान में स्पष्ट नहीं है। राज्य में मार्च 2020 में राष्ट्रव्यापी कदम के तहत और बाद में चरणों में COVID-19 महामारी के दौरान संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन लगाया गया था। राज्य में 4 जून तक कुल 10,56,341 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए और 10,786 लोगों की मौत हुई। राज्य के स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, मध्य प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या पांच है।

**“अगर आप सोचते हैं कि ज्ञान पाना महंगा है, तो अज्ञानी बनकर देखो”**  
**“क्या आपको ज्ञात है कि प्रेम का देह से कोई सम्बन्ध नहीं?”**



**Guten Drug House**  
G.D.H.

A Professionally Managed Pharma Company offers

**Monopoly Rights** to market its products on **Franchisee/PCD basis on State/District level all over India**

**TABLETS CAPSULES SYRUPS INJECTIONS PROTEIN POWDER**  
**DRY SYRUPS AYURVEDIC PRODUCTS**  
NUTRACEUTICALS SYRUP, CAPSULES, TABLETS, PROTEIN POWDER AND AYURVEDIC PRODUCTS

Promotional Inputs (Visual Aids, LBLs, Samples, Bags Product Reminders, Gift & other timely promos)

**G.D.H.**

For further information, please write or contact us:

**ADDRESS : 26 A IInd Floor, Palika Bazar, G.T. Road Ghaziabad (U.P.), Mob.: 9643209572**

## टाइफाइड के टीके को डब्ल्यूएचओ की मंजूरी

प्राप्त समाचार के अनुसार भारत बायोटेक के टाइफाइड वैक्सीन टाइपबार टीसीवी को विश्व स्वास्थ्य संगठन का प्रीक्वालिफिकेशन प्राप्त हो गया है। WHO के प्रीक्वालिफिकेशन प्राप्त होने का मतलब है कि इस वैक्सीन को अब स्वास्थ्य और मानवीय संगठनों जैसे यूनिसेफ, जीएवीआई और पैन-अमेरिकन हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन को दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य टीकाकरण कार्यक्रमों के लिए इसे खरीदने की अनुमति देता है। टाइपबार टीसीवी दुनिया का पहला टाइफाइड वैक्सीन है जो नैदानिक रूप से उन प्राप्तकर्ताओं पर उपयोग के लिए सिद्ध है जो छह महीने से कम उम्र के हो सकते हैं। एक एकल खुराक टाइफाइड के खिलाफ 87 प्रतिशत सुरक्षात्मक प्रभावकारिता प्रदान करती है, जिसने 2016 में दुनिया भर में 12 मिलियन लोगों को बीमार किया और 130,000 को मार डाला। भारत बायोटेक के इस वैक्सीन को भारत में उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई है, लेकिन यह अभी तक भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है। भारत में इसकी रिटेल कीमत 1,500 रुपये है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत बायोटेक के टाइपबार वैक्सीन को 6 महीने से लेकर 15 साल उम्र तक के बच्चों पर उपयोग की मंजूरी दे दी है। डॉ. सेठ बर्कले, सीईओ, जीएवीआई, वैक्सीन एलायंस ने कहा कि यह टीका एक गेम चेंजर होगा क्योंकि छोटे बच्चों के लिए एक प्रभावी टीके की अनुपलब्धता टाइफाइड को नियंत्रित करने में प्रमुख बाधाओं में से एक रही है। जीएवीआई द्वारा 85 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग की मंजूरी के साथ, जीएवीआई समर्थित देशों में वैक्सीन की पहली शुरुआत 2019 की पहली छमाही में होने की उम्मीद है। भारत बायोटेक ने जीएवीआई-समर्थित देशों के लिए खरीद के लिए प्रति खुराक यूएस +1.50 पर वैक्सीन की पेशकश की है। निम्न-आय और निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए निरंतर वैक्सीन खरीद के महत्व को स्वीकार करते हुए, हमने निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए 100 मिलियन खुराक की खरीद के बाद लगभग 1.0 डॉलर या उससे कम/खुराक की कीमत में और कमी की पेशकश की है। भारत बायोटेक के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. कृष्णा एल्ला ने कहा। भारत बायोटेक ने रियायती दरों पर अतिरिक्त 300,000 खुराकों के साथ 100,000 खुराकों का उपयोग करके नवी मुंबई में टाइपबार टीसीवी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए नवी मुंबई नगर निगम और यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के साथ साझेदारी की है।

## जनहित में जारी

दवा बीमारी शरीर को स्वस्थ करने के लिए दी जाती है। यदि यह दवा ही आपको बीमार या परेशानी दे तब आप क्या करेंगे, उस दवा का सेवन करना बंद कर देंगे या अधिक से अधिक डाक्टर को बताकर दवा बदलवा लेंगे। लेकिन आपको एक ओर काम करना चाहिए। यदि आपको कोई एलोपैथी दवा नुकसान पहुंचाती है तो उसकी जानकारी आप इंडियन फार्माकोपिया कमिशन चलाया जा रहा फार्माकोविजिलेंस को सूचित कर सकते हैं। इसके लिए हेल्प लाइन नंबर 1800-180-3024 पर संपर्क करें।

- राजेन्द्र निगम, जौनपुर, मो० 9415555194



**BINNY PHARMA**

We are looking out for Distributors / Franchises across India.

We offer a wide range of :  
Eye Products, Multi-vitamins and other range of medicines on franchise basis with excellent packaging.

Mob: 8437557701, 9815924701  
vision\_opto@yahoo.com

## नारायण हेल्थ तीन मिनट में ब्रेन एन्यूरिज्म के इलाज के लिए फ्लो डायवर्टर स्टेंट लगाता है

**बेंगलुरु:** नारायण हेल्थ (एनएच) ने ब्रेन एन्यूरिज्म से पीड़ित एक मरीज का सफलतापूर्वक इलाज करने के लिए मस्तिष्क की रक्त वहिका में एक विशेष फ्लो डायवर्टर स्टेंट की तैनाती करके दुनिया का सबसे तेज चिकित्सा चमत्कार हासिल किया है। अपेक्षकृत उन्नत प्रकार के फ्लो डायवर्टर का उपयोग करके तीन मिनट के भीतर जीवनरक्षक हस्तक्षेप पूरा किया गया। मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनी में जानलेवा धमनीविस्फार (खून से भरा गुब्बारा जैसा उभार) विकसित हो गया था। एक 47 वर्षीय रोगी में कई इंटरक्रैनील एन्यूरिज्म थे और एक विशेष एन्यूरिज्म फट गया था, जिससे मस्तिष्क के भीतर जानलेवा आंतरिक रक्तस्राव हुआ। डॉ. विक्रम हुदेद वरिष्ठ न्यूरो-इंटरवेंशनलिस्ट, इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंस, नारायण हेल्थ ने अपनी टीम के साथ मरीज का ऑपरेशन किया। फटे हुए एन्यूरिज्म के इलाज के लिए मरीज को फ्लो डायवर्टर स्टेंटिंग से गुजरना पड़ा। इस तरह के उन्नत हस्तक्षेप को पूरा करने में आमतौर पर लगभग एक घंटे का समय लगता है लेकिन डॉक्टरों की टीम ने ढाई मिनट में ऑपरेशन पूरा कर लिया। यह इसे दुनिया में इस विशेष उपकरण का सबसे तेज परिणियोजन बनाता है। लाइव केस NICE & एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक भाग के रूप में किया गया था। “हमने एक उन्नत प्रकार के फ्लो-डायवर्टर डिवाइस को तैनात किया है और यह पहली बार है जब इस डिवाइस का भारत में उपयोग किया गया है। फ्लो डायवर्टर स्टेंटिंग तकनीक धमनी के माध्यम से बहने वाले रक्त को उसके भीतर रहने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसे धमनीविस्फार के मूल में रखा जाता है और रक्त को उभरे हुए धमनीविस्फार में प्रवेश करने से रोकता है। धमनीविस्फार के इलाज के लिए, इसमें रक्त प्रवाह को इस तरह बाधित करने की आवश्यकता होती है कि यह धीरे-धीरे आकार में सिकुड़ जाए। ब्रेन एन्यूरिज्म के लिए कई उपचार विकल्प उपलब्ध हैं जैसे कि ब्रेन सर्जरी (एन्यूरिज्म क्लिपिंग के रूप में) और एंडोवास्कुलर।

## अस्पताल में लगाई गई फाइब्रोस्कोप मशीन

**पटना:** अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) प्रत्यय अमृत ने कहा कि राज्य सरकार ने अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए कई पहल शुरू की हैं। बिहटा के पास एक निजी स्वास्थ्य सुविधा में फाइब्रोस्कोप मशीन का उद्घाटन करने के बाद अमृत ने कहा कि यह लीवर की बीमारियों के निदान में मदद करता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने चिकित्सा शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के दायरे को व्यापक बनाने के लिए प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की योजना बनाई है। एम्स-पी में कार्डियोथोरेसिक विभाग के प्रमुख डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि फाइब्रोस्कोप मरीजों को बिना किसी दर्द के पांच मिनट के भीतर लीवर की समस्याओं की जांच करने की एक महत्वपूर्ण तकनीक है। यह इलाज से पहले और बाद में लीवर की स्थिति जानने में भी मददगार है। अस्पताल के निदेशक डॉ. कृष्ण मुरारी सिंह ने कहा कि पहले आंतों के क्षेत्र में लीवर की बीमारी की पुष्टि करने के लिए बायोप्सी ही एकमात्र तरीका था, लेकिन अब यह नया उपकरण इस काम को आसान बना देगा।

## स्वप्न शास्त्र

### सिर में तेल लगाना

तनाव से मुक्ति मिलेगी तथा मानसिक शांति प्राप्त होगी। सिर सम्बंधी कष्टों से मुक्ति मिलेगी तथा स्वास्थ्य में निरन्तर सुधार होगा। ऋषि सम्बंधी चिंताओं से मुक्ति मिलेगी तथा घर में धनागमन होगा। आर्थिक स्थिति में सामान्य सुधार होगा तथा घरेलू कार्य उचित ढंग से चलते रहेंगे। संतान की ओर से चल रही चिंताएं समाप्त होगा। तथा विवादों की शांति होगी। वैचारिक मतभेद समाप्त होंगे। तथा सम्बंधों में मधुरता आएगी। मातृपक्ष की ओर से कोई विशेष उपहार प्राप्त होगा तथा धन की प्राप्त होगी। परिजनों के मध्य एकता व स्नेह में वृद्धि होगी तथा सुख-शांति की स्थापना होगी।

### गंदा पानी बहता देखना

शारीरिक कष्टों में वृद्धि होगी स्वास्थ्य में गिरावट आएगी। मानसिक असंतुलन की स्थिति रहेगी। सरकारी कार्यों में रूकावटें आएंगी तथा कार्य अपूर्ण रह जाएंगे। समय कष्टकारी है। आर्थिक स्थिति ज्यों की त्यों रहेगा तथा आर्थिक प्राप्ति के अवसरों में कमी आएगी। घर में धन-धान्य की कमी रहेगी। तथा व्यापारिक कार्यों में निराशा का मुंह देखना पड़ेगा। साक्षात्कार में असम्भव की प्राप्ति होगी तथा अनेक प्रयत्नों के उपरांत भी रोजगार की प्राप्ति असम्भव। संतान पक्ष की ओर से चिंताओं में वृद्धि होगी तथा तनाव से ग्रस्त रहेंगे। समय प्रतिकूल रहेगा तथा प्रभाव में कमी आएगी। परीक्षाओं में असफलता का सामना करना पड़ेगा तथा मित्रों के मध्य हास्य का पात्र बनेंगे। आत्म-विश्वास में कमी आएगी तथा मन अप्रसन्न रहेगा। किसी प्रिय व्यक्ति के द्वारा दुख की प्राप्ति होगी तथा स्थिति निराशाजनक बनी रहेगी। -सुरेन्द्र कुमार शर्मा, मो० 9711034710, 8630907504.



डॉ० सुरेन्द्र कुमार शर्मा



**BULK BUYER AND SELLER OF MONOPOLY MEDICINES AND NON MOVABLE GOOD**

**Rajiv Gupta**  
9818201127

**Mayank Gupta**  
9818500517

**Piyush Gupta**  
9999615811

**MAPEX LAB**

Kh. No. 1326/1327, Morta Industrial Area, Ghaziabad, Uttar Pradesh  
mapex.mayankgupta@gmail.com

**मोतियाबिंद जागरूकता माह कृत्रिम लेंस बाजार के विकास को गति देता है: ग्लोबलडाटा**

**नई दिल्ली:** मोतियाबिंद जागरूकता माह चल रहा है, दुनिया भर का ध्यान दृष्टिबाधित व्यक्तियों, विशेष रूप से मोतियाबिंद से जूझ रहे व्यक्तियों की ओर आकर्षित किया जा रहा है। अंतरगर्भाशयी लेंस (आईओएल), कृत्रिम लेंस जो धुंधले प्राकृतिक लेंस की जगह लेते हैं, ऐसे मामलों के इलाज में महत्वपूर्ण हैं। आईओएल बाजार के 2022 में 4.1 अरब डॉलर से बढ़कर 2033 तक लगभग 5.0 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, और मोतियाबिंद सर्जरी करने के लिए दुनिया भर में स्वास्थ्य सुविधाओं की बढ़ती क्षमता से विस्तार हुआ है, ग्लोबलडाटा का अनुमान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व स्तर पर 2.2 बिलियन लोगों को निकट या दूर दृष्टि दोष है। लेंस में उम्र से संबंधित अपक्षयी प्रक्रियाओं के कारण मोतियाबिंद अक्सर होता है। चूंकि मोतियाबिंद का इलाज केवल सर्जरी से किया जा सकता है, आमतौर पर केवल मध्यम से गंभीर मामलों में ही इलाज किया जाता है, जिससे आंख के लेंस को आईओएल से बदल दिया जाता है। ब्राउन हिक्स, सीनियर मेडिकल डिवाइस एनालिस्ट, ग्लोबलडाटा ने टिप्पणी की, दुनिया भर में मोतियाबिंद और अपवर्तक वृद्धि के प्रसार में वृद्धि ने सरकारों को आंशिक या पूर्ण अंधापन से पीड़ित रोगियों की संख्या को कम करने के लिए पहल शुरू करने के लिए मजबूर किया है। GlobalData अगले दशक में मोतियाबिंद और अपवर्तक वृद्धियों दोनों के लिए आंखों की सर्जरी की संख्या और IOL के उपयोग में वृद्धि की उम्मीद करता है। आईओएल को उनकी संरचना सामग्री, फोकल लम्बाई, और क्या वे टोरिक हैं जैसे पहलुओं के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। इनमें उन्नत-प्रायोगिकी इंटाओकुलर लेंस शामिल हैं, जिनमें एस्फेरिक आईओएल, टोरिक आईओएल, मल्टीफोकल आईओएल और समायोजन आईओएल शामिल हैं। इनसे आज मोतियाबिंद के प्रबंधन के तरीके में काफी बदलाव आया है। नई आईओएल तकनीकों पर टिप्पणी करते हुए, हिक्स ने निष्कर्ष निकाला, नई आईओएल प्रौद्योगिकियां, जिनमें ट्राइफोकल, क्वाड्रिफोकल, और एक्सटेंडेड - डेथ - ऑफ - फोकस (ईडीओएफ) लेंस शामिल हैं, सभी दूरियों पर तमाशा-मुक्त दृष्टि प्रदान करने में सहायक रही हैं। जबकि मौजूदा मोनो-फोकल लेंस वर्तमान में बाजार पर हावी हैं, नई आईओएल तकनीकों से धीरे-धीरे पकड़ने और सभी प्रकार के लेंसों के बीच अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की उम्मीद है।

**सरकार ने दो फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं की बिक्री को दी मंजूरी**

**नई दिल्ली:** कम से कम दो फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन (FDC) दवाओं, अर्थात् क्लोरोफेनिरामाइन मैलेट + अमोनियम क्लोराइड + सोडियम साइट्रेट (खांसी से राहत के लिए प्रयुक्त) और इमिप्रामाइन + डायजेपाम (अवसाद के इलाज के लिए प्रयुक्त) को सरकार द्वारा निर्माण और विपणन के लिए अनुमति दी गई है। देश में अधिकारियों ने कहा कि ये एफडीसी- दो या दो से अधिक दवाओं को निश्चित निश्चित खुराक संयोजन में मिलाकर बनाई गई दवाएं- विशेषज्ञ समिति द्वारा तर्कसंगत पाई गईं। 19 में से तीन अन्य एफडीसी, जिनकी एक विशेषज्ञ समिति द्वारा समीक्षा की गई थी, को भी तर्कसंगत पाया गया है, लेकिन सरकारी सूत्रों ने कहा, उन्हें और डेटा बनाने की आवश्यकता है। एक सूत्र ने कहा, षस तरह के एफडीसी को पोस्ट मार्केट सर्विलांस और इसके औषधीय मूल्य पर उत्पन्न डेटा पर रिपोर्टिंग के अधीन निर्मित और विपणन करने की अनुमति दी गई है। हालांकि, सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, 14 एफडीसी, जो अताकिंक पाए गए, को निर्माण और विपणन के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसमें छपउमेनसपकम और च्लंबमजंडवस शामिल है जिसका उपयोग दर्द के लिए किया जाता है और **Chlopheniramine Maleate** और **Codeine** सिरप जिसका उपयोग सूखी खांसी के इलाज के लिए किया जाता है। जिन अन्य एफडीसी दवाओं पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें फोलकोडाइन + प्रोमेथेजिन, एमोक्सिसिलिन + ब्रोमहेक्सिन और ब्रोमहेक्सिन + डेक्सट्रोमैथोफेन + अमोनियम क्लोराइड + मेन्थॉल, पैरासिटामोल + ब्रोमहेक्सिन, फेनिलफ्राइन + क्लोरोफेनिरामाइन + गुडफेनेसिन और सालबुटामोल + ब्रोमहेक्सिन शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई। एफडीसी एक एकल खुराक के रूप को विकसित करने के लिए एक निश्चित अनुपात में दो या दो से अधिक दवाओं के संयोजन को संदर्भित करता है। इंडियन जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी में 2016 में प्रकाशित एक संपादकीय के अनुसार एफडीसी उचित हैं जब वे चिकित्सीय प्रभावकारिता को प्रबल करने, दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों को घटानाओं को कम करने, गोली के बोझ को कम करके बेहतर अनुपालन और विकास को कम करने के संदर्भ में स्पष्ट लाभ प्रदर्शित करते हैं। दूसरों के बीच प्रतिरोध। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ( एम्स ) में फार्माकोलॉजी विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. वार्डेके गुप्ता और डॉ. सुगती एस रामचंद्र द्वारा लिखे गए संपादकीय में भारत में उपलब्ध एफडीसी को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है: अच्छा, बुरा और बदसूरत एफडीसी। अच्छे FDCs को मजबूत औचित्य वाले लोगों के रूप में परिभाषित किया गया था, उदाहरण के लिए, कार्बिडोपा + लेवोडोपा, सल्फोनामाइड्स + ट्राइमेथोप्रीम, एंटीट्यूबरकुलर ड्रग्स, एंटीरेट्रोवायरल ड्रग्स, कुछ एंटीहाइपरटेंसिव और कुछ एंटीडायबिटिक दवाएं। खराब एफडीसी वे थे जिन्हें मुख्य रूप से विपणन हितों के साथ तैयार किया गया था और चिकित्सीय उपयोगिता के लिए कोई मूल्य नहीं जोड़ा गया था और जिसका औचित्य बहस योग्य है। डॉ गुप्ता और उनके सहयोगी ने दावा किया कि भारत में उपलब्ध अधिकांश एफडीसी श्रृंखला श्रेणी में आते हैं, और आगे कहा कि ऐसे कुछ उदाहरणों में दोहरी गैर-स्टेरायडल विरोधी भड़काऊ दवाओं ( एनएसएआईडी ) का संयोजन शामिल है।), मसल रिलैक्सेंट के साथ डैप्ने, और H2 ब्लॉकर्स के साथ डैप्ने। बदसूरत एफडीसी को ऐसे लोगों के रूप में परिभाषित किया गया था जिनके पास न तो सबूत हैं और न ही सैद्धांतिक औचित्य, उदाहरण के लिए दो या दो से अधिक एंटीहिस्टामाइन + डिक्लोनोस्टेट + ब्रोकोडायलेटर + कफ सप्रेसेंट + एस्फेकरोटॉर और एंटीफंगल + एंटीबायोटिक + स्टेरॉयड + सामयिक स्थानीय संवेदनहारी के साथ कफ सिरप के साथ डैप्ने। नई रासायनिक संस्थाओं को विक. सित करने में कठिनाइयों के कारण, दवा उद्योग को एफडीसी विकसित करना आसान लगता है। भारत मुख्य रूप से जेनेरिक दवाओं का बाजार है। जैसा कि पेटेंट समाप्त हो रहा है, कई निर्माताओं के बीच तीव्र प्रतिस्पर्धा उन्हें वैज्ञानिक मान्यता के बिना कई लाभों का दावा करते हुए उत्पाद को एक नया रूप देने के लिए प्रेरित करती है, "एफडीसी की सर्वव्यापकता के पीछे का कारण बताते हुए संपादकीय ने कहा। 2016 में भारत में एफडीसी की अनुमानित संख्या 6000 से अधिक थी।

**रोगियों के प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए आभा-आधारित ऐप को सफलतापूर्वक लागू किया**

**नई दिल्ली :** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ( एम्स ) नई दिल्ली ने रविवार को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता-आधारित स्कैन और शेरर सुविधा (एबीएचए) के सफल कार्यान्वयन की घोषणा की, जिसका उद्देश्य बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) और लंबी कतारों के लिए प्रतीक्षा समय को कम करना है। भारत के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में से एक में। आधारित स्कैन और शेरर सुविधा के कार्यान्वयन ने उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हैं, एम्स नई दिल्ली ने अब तक 73,700 ABHA आधारित स्कैन और शेरर ओपीडी टोकन जारी करके गर्व से पहले स्थान पर कब्जा कर लिया है। यह उपलब्धि कुशल और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए अस्पताल के समर्पण को और मजबूत करती है। ABHA मोबाइल एप्लिकेशन ने अस्पताल में आने वाले रोगियों के लिए प्रतीक्षा समय को काफी कम कर दिया है और पंजीकरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर दिया है, जिससे इसके ओपीडी में रोगी के समग्र अनुभव में वृद्धि हुई है। मीडिया प्रकोष्ठ की प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रिमा दादा ने बताया कि जिन रोगियों को एम्स में अधिक समय तक इंतजार करना पड़ता था, उन्हें ओपीडी पंजीकरण काउंटरों पर लंबी कतारें लगानी पड़ती थी, जिसके परिणामस्वरूप असुविधा और असुविधा होती थी। हालांकि, ABHA-आधारित स्कैन और शेरर सुविधा की शुरुआत के साथ, मरीज अब आसानी से इन कतारों से बच सकते हैं, जिससे उनकी अस्पताल की यात्रा अधिक आरामदायक और परेशानी मुक्त हो जाती है। ABHA संगत व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड एप्लिकेशन का उपयोग करते हुए, मरीज बस एक निर्दिष्ट क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं और तुरंत एक अद्वितीय टोकन नंबर प्राप्त कर सकते हैं। जब उनका टोकन प्रदर्शित किया जाता है, तो मरीज लाइन में प्रतीक्षा करने की आवश्यकता को समाप्त करते हुए सीधे काउंटर पर जा सकते हैं। इस अत्याधुनिक तकनीक को अपनाकर, एम्स नई दिल्ली अपने रोगियों के लाभ के लिए डिजिटल समाधानों का लाभ उठाने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। एम्स नई दिल्ली के निदेशक डॉ एम श्रीनिवास ने रोगी की देखभाल पर इस तकनीक के सकारात्मक प्रभाव के लिए उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, षमारा लक्ष्य एम्स नई दिल्ली में रोगी के अनुभव में लगातार सुधार करना है। आधारित स्कैन और शेरर सुविधा हमें प्रतीक्षा समय को कम करने और पंजीकरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की अनुमति देती है, जिससे हमारे रोगियों के लिए अधिक सुविधाजनक और परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित होता है। ABHA आधारित स्कैन और शेरर सुविधा की शुरुआत एम्स, नई दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए जारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

**With Best Compliments From Xenon Pharma Pvt. Ltd.**

**XENON**  
The innovative People  
**XENON Pharma Pvt. Ltd.**  
(A WHO-GMP Certified Company)

**For PCD Franchise & Distribution Marketing**

- Leader in Covid Range FERAVIR, VORICONAZOLE, POSACONAZOLE, IVERMECTIN & Many more..
- Achieving Customer Satisfaction is Fundamental to our Business, As we provide latest molecules with highest quality standards.
- We also Provide Scientific Data, Promotional Inputs & Gift Articles For Ethical Working and Better Promotion.
- Our most of the Brands are with Registered Trademark & many molecules are first time in India.
- Assurance of Timely Delivery, High Quality & Cost Effective Product Range.
- Competitive Rates and MRPs as per DCGI Norms.
- Timely Delivery & 100% availability of products.

**XENON Pharma Pvt. Ltd.**  
Plot No. 79-80, Sec-6A, IIC, Sidcul, Haridwar-249403  
Contact : +91 9811249056, 9971370555  
xenonpharmapvtltd.in

**Third Party Manufacturing Proposals are also invited**

**बैठक**

प्राप्त समाचार के अनुसार जिला परिषद मार्केट में दवा विक्रेताओं ने भारत सरकार द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन में 14 कॉम्बिनेशन मेडिसिन पर बैन लगाये जाने से मुजफ्फरनगर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार का आभार प्रकट करते हुए कहा कि ऐसी दवाओं के कारण हमारे नौजवान युवा पीढ़ी नशे के दलदल में जो फंस रहे थे उससे काफी परिवारों को राहत मिलेगी प्रदेश में कुछ समय से दवा व्यापार के नाम पर कुछ तथाकथित नेता उत्तर प्रदेश में ट्रस्ट के रूप में पूरी उत्तर प्रदेश से अपने को महामंत्री लिखकर कुछ जनपदों में अपने पदाधिकारियों पदाधिकारी खड़े कर दिए थे और पिछले महीने इसी नेता को पश्चिम बंगाल पुलिस की तरफ से फ्रेंडशिप के लिए इसकी फर्म पर नोटिस जारी किया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था. मुजफ्फरनगर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की पूरी कार्यकारिणी ऐसे तथाकथित नेताओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निवेदन करती है, कि यह भू माफियाओं से भी बड़े माफिया हैं इनके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए. मुजफ्फरनगर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने जनपद के सभी व्यापारियों से अपील भी की जिन दवा व्यापारियों के पास इस प्रकार की यदि दवा हो तो वह उसे कंपनी को वापस कर दे और ऐसी दवा ना बेचने का प्रयास करें। बैठक में सचिन त्यागी डॉ आर के गुप्ता ठाकुर सुभाष चौहान सहित दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे.

- सतीश तायल, मुजफ्फरनगर, मो 9760007069.

**बैठक आयोजित**



पोलीस प्रशासनाच्या वतीने आज रोजी जामखेड पोलीस स्टेशन येथे सुरक्षा संदर्भात बैठक आयोजित करण्यात आली होती. याप्रसंगी पोलीस निरीक्षक महेश पाटील यांचा सत्कार जामखेड तालुका केमिस्ट असोसिएशन चे अध्यक्ष तात्याराम बांदल यांच्या हस्ते करण्यात आला.यावेळी जामखेड तालुका केमिस्ट असोसिएशन चे अध्यक्ष तात्याराम बांदल ,उपाध्यक्ष अनिल बोथरा,सचिव किरण वाघमारे, खजिनदार महेश नारके, आशोक गांधी, सदिप भंडारी, नारायण राठेभात, नितीन मुनोत, गणेश डोके, रमेश डिसले, अनिल अडाले, शुभम खेजे, महादेव डिसले, पोपट बलेकर, युवराज जगताप, मनोज बन, प्रवीण काजकर,अंगद मुळीक, फैसल खान, अरबाज, सदिप राऊत, अमिर पठाण, अक्षय कासवा, सागर बाबर, मुन्ना, विपिन गांधी यांच्या सर्व पदाधिकारी व केमिस्ट बांधव मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

**83.4 लाख मोतियाबिंद सर्जरी की गई**

**नई दिल्ली:** भारत में हर साल करीब 65 लाख मोतियाबिंद हटाने की सर्जरी नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट ( एनपीसीबीवीआई ) के तहत की जाती है। 2020-21 के दौरान, जब कोविड महामारी चरम पर थी, सरकार कार्यक्रम के तहत की जाने वाली इन प्रक्रियाओं की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आई और केवल 35.5 लाख सर्जरी की गई। 2021-22 में भी, डेटा दिखाता है, की गई सर्जरी की संख्या 65 लाख से काफी कम थी। इससे निजात पाने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय कहा, उन्होंने 2022-23 में विशेष अभियान चलाया। अधिकारियों ने कहा, "स्वास्थ्यकर्मियों और एनपीसीबीवीआई टीम के प्रयासों से 2022-23 में 83.4 लाख से अधिक मोतियाबिंद की सफल सर्जरी की गई, जो एक रिकॉर्ड है।"

**FASTEST GROWING PCD COMPANY IN INDIA**

**ZOIC**  
YOUR PARTNER IN HEALTH HEALING & HOPE

**MORE THAN 300 PRODUCTS.**

Wide Range of Products Available in Excellent Packing Covering All Major Segments

Tablets, Capsules, Softgels, Syrup, Injectable, Infusion, Ointments Soap, Shampoo, Paste, Powder, Neuro-Psychiatric And DCGI Approved Molecules Manufacture under Schedule 'm' With Who GMP Norms

Excellent Promotional Support By Way of Visual Aid Binder, Detailing Story, Literatures, Product at a Glance, Sample Catch Cover, Order Book, Visiting Cards, Mr Bag, Gifts etc.

- Monopoly Business Opportunity
- Best Service in Market
- Best Quality Timely Delivery
- Good Range of Products

WE OFFER WIDE RANGE OF FORMULATION FOR MADE ENQUIRY  
Correspondence Address  
72/1, Tyagi Road, Rest Camp, Dehradun-248001 UK  
Contact : +91-7060249961, +91-7088014041  
E-mail : zoiclifesciences.med@gmail.com  
Website : www.zoiclifesciences.com

**Contract Manufacturer/Exporter**

**BUSINESS ASSOCIATES**

**Certifications :**

- WHO-GMP
- PPB-(Kenya)
- NDA-(Uganda)
- DPML-(Ivory Coast)
- M.O.H.-(Cambodia)
- M.O.H.-(Iraq)
- ISO 9001 : 2015 &
- ISO 14001 : 2015

**Production Capacity**

Oral Solid 300 Crores Tabs  
Hard Gelatin Caps 30 Crores Caps  
Oral Liquid 10 Crores Bottles

**More Than 250 GMP Available**

**Business Modules**

Direct Export, Contract Manufacturing for Export  
Contract Manufacturing, PCD/Franchisee for Pan-India Markets.

**Dr. Alok Shankar**  
Executive Director

**Ravian Life Science Pvt. Ltd.**  
Plot No. 34, Sec-8A, SIDCUL, Haridwar (U.K.) India  
Email: enquiry@ravianlifescience.com  
marketinginfo@ravianlifescience.com

Marketing 01334-230426, 91-9258019547  
Toll Free No. : 18003093312, Franchise : +91-8171114034

## नए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी

प्राप्त समाचार के अनुसार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जानकारी दी गई है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) ने इस साल 50 नए मेडिकल कॉलेज खोलने की मंजूरी दे दी है, जिसमें MBBS की 8,195 सीटें होंगी। इनमें से 30 कॉलेज सरकारी होंगे जबकि बाकी निजी संस्थान होंगे। मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, नए मेडिकल कॉलेज 15 राज्यों में खुलेंगे, जिनमें तेलंगाना को सबसे ज्यादा 13 स्वीकृतियां मिलेंगी। राजस्थान और आंध्र प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेजों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या होगी। प्रत्येक राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। ओडिशा, गुजरात, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर भी सूची में हैं। कुछ कॉलेजों को कम सीटों पर नए छात्रों को शामिल करने की अनुमति दी जा सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के 2022-2023 शैक्षणिक वर्ष के आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल 654 कार्यात्मक मेडिकल कॉलेज और 99,763 एमबीबीएस सीटें हैं। NMC ने 38 मेडिकल कॉलेजों की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, जिसमें कथित प्रशासनिक कमियों जैसे फ्रैंक्लटी पर विवरण बनाए रखने में अनियमितता, सीसीटीवी कैमरे न लगाना और बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली का पालन करने में विफलता शामिल है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने यह भी कहा कि नेशनल एग्जिट टेस्ट सभी अंतिम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों के लिए प्रस्तावित सामान्य योग्यता परीक्षा साल 2024 में पहली बार आयोजित की जाएगी। अभी तक, अंतिम वर्ष की एमबीबीएस परीक्षाएं अलग-अलग कॉलेजों और विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित की जाती हैं। एनएमसी ने इस साल के अंत में नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा नेकस्ट आयोजित करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की मंजूरी मांगी थी।

## जन्मदिन पर ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं

SHRI SUNIL CHHAJED JI	DHULE	17/06/1967	9823271255
SHRI UMESH PATEL JI	PATAN	19/06/1978	9824174058
SHRI PRASHANT S. JAIN JI	DHULE	20/06/1982	9421245293
SHRI DEVARAM SHOUDHRY JI	SURAT	21-06-1988	9429989890
SHRI LALIT S. KINGER JI	DHULE	28/06/1975	9923423223
SHRI VINAYAK M. JUNEKAR JI	BELGAUM	30-06-1980	9980706531
SHRI SATISH P.NAVAL JI	NASHIK	06/06/1956	9225738802
MOHD. NAFEES AHMAD JI	ETAH	02/06/1969	7017422084
SHRI UTTAM PATH JI	BARGARH	09/06/1976	9437218792
SHRI ASHISH VARSHNEY JI	ETAH	08/06/1978	9837122244
SHRI NILESH JAY SINGH	JALGAON	09/06/1980	9822261467
SHRI YASH R. MALI JI	JALGAON	05/06/1996	7588010199
MOHD. ANSARI ALIMUDDIN JI	NASHIK	01/06/1957	9823183104
ANSARI ALIMUDDIN	NASHIK	01/06/1957	9823183104
MOH. ARIF	NASHIK	01/06/1965	9822331586
SHRI EKNATH SAINDANE JI	JALGAON	01/06/1972	9665540688
SHRI BALKISHAN MUNESHWAR	GONDIA	02/06/1976	9049990117
SHRI P.K. PRADHAN JI	MAZITAR	03/06/1955	9064462916
SHRI PRABHU ASATI JI	GONDIA	03/06/1964	7774840222
DR. UDAI PAL SHARMA JI	BULAND-	03/06/1968	9761130317
MOHD. FAHEEM AKHTAR	NAGPUR	05/06/1978	9373664636
DR. PRADEEP KUMAR JI	BSR	05/06/1992	9759064593
SHRI HANS RAJ SAINI JI	ALWAR	05/06/1992	9982719797
SHRI ANUPAM GARG JI	AGRA	06/06/1998	7878905919
SHRI BANKEYLAL JI	ALIGARH	08/06/1985	9758395613
SHRI LALIT P.PATKAR JI	NASHIK	13-06-1985	9403725809
DR. S.P. SINGH JI	BULAND-	14/06/1985	7500582017
SHRI KRIAHAN KUMAR RAUT JI	GONDIA	14/06/1980	9325003575
SHRI NARENDRA TANDEKAR JI	GONDIA	14/06/1984	9923066401
SHRI S.P. SINGH JI	BSR	14/06/1985	7500582017
MR. BASUDEV SAHOO JI	CUTTACK	15/06/1979	9437356627
SHRI CHETAN AGRAWAL JI	NASHIK	15-06-1993	9766092888
SHRI JITENDRA BATRA JI	AGRA	16/06/1976	9258801383
SHRI VINAY N. KABRA JI	JALGAON	17/06/1958	9890057949
SHRI CHAITANJ J. MAHAJAN JI	JALGAON	17/06/1982	9822312112
SHRI VIKAS GUPTA JI	AGRA	18/06/1985	9758047100
SHRI TARUN KR. GUPTA JI	BSR	19/06/1989	7417920630
SHALU JI	ALIGARH	20/06/1995	9758395613
MOHD. SHAFIQUE SHAIKHE JI	NASHIK	20-06-1981	9881146986
SHRI MAHESH PRASAD GUPTA	BARGARH	26/06/1979	9861280953
SHRI SURENDRA MOHAN	BSR	28/06/1987	8630654874
SHRI SRIJAL PATEL JI	BALAGHAT	28/06/1993	9993495065
SHRI NILESH CHAUDHARI JI	JALGAON	28/06/1977	7588009625
SHRI DEVENDRA RADHEKR-	GONDIA	29/06/1968	7709108362
SHRI SANJAY L. PARMAR JI	SURAT	29/06/2015	9574244189
SHRI AMIT GUPTA JI	AGRA	30/06/1974	9219238984
SHRI NILESH JAYSINGH	JALGAON	09/06/1980	9822261467
SHRI SANTOSH S. KADLAG JI	NASHIK	09/06/1978	9960348500
MR. SHARAD PATIL JI	WARDHA	01/07/1977	9503971776
SHRI VISHAL MANDAL JI	BSR	28/07/1997	8979296607
SHRI HAREN GANDHI JI	VADODARA	09/07/1959	9825012218
SHRI DAVARIYA JI	SURAT	05/07/1990	9913296896
SHRI MUEHUL R.PATEL JI	PATAN	02/07/1998	9924077700
SHRI NILESH B. PAL JI	WARDHA	01/07/1976	9922782871
SHRI BHARAT MOHANLAL	DHULE	03/07/1971	9422795946
SHRI MANOJ KUMAR GARG JI	AGRA	03/07/1972	9411961610
SHRI VISHAL CHAURASIYA JI	AGRA	07/07/1977	9319204978

## अस्पताल आपात स्थिति के लिए तैयार

**भुवनेश्वर:** 21 स्वास्थ्य सुविधाएं, सरकारी और निजी दोनों - और बालासोर, भद्रक, कटक और भुवनेश्वर में और उसके आसपास स्थित विभिन्न ट्रस्टों से संबंधित लोग भी ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने से घायल हुए लोगों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए हरकत में आ गए हैं। -बालासोर जिले में बहनागा बाजार रेलवे स्टेशन के पास। राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, बालासोर में फकीर मोहन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में सबसे ज्यादा 270 मरीज मिले, इसके बाद ईश्वरपुर के एक अस्पताल में 257 मरीज भर्ती हुए। सोरो के अस्पताल में 196 मरीज आए जबकि कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 192 मरीजों का इलाज चल रहा है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर जैसे राज्य के कई बड़े अस्पतालों ने इस दौरान डॉक्टरों और सर्जनों की अपनी टीम को दुर्घटनास्थल से किसी भी घायल व्यक्ति को लेने के लिए तैयार रखा। मरीजों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए एम्स ने पर्याप्त संख्या में आईसीयू और ब्लड यूनिट भी उपलब्ध कराए हैं। दिलीप ने कहा, अभी तक हमें दुखद ट्रेन दुर्घटना से कोई मरीज नहीं मिला है। हालांकि, हमने सर्जनों की एक टीम तैयार रखी है। हमने घायल यात्रियों को तत्काल चिकित्सा प्रदान करने के लिए लगभग 90 आईसीयू बेड और दो ऑपरेशन थिएटर भी तैयार किए हैं। एम्स भुवनेश्वर के चिकित्सा अधीक्षक परिदा ने कहा। उन्होंने कहा कि एम्स भुवनेश्वर ने भी घायलों का इलाज करने के लिए विशेषज्ञों की दो टीमों को बालासोर भेजा है। परिदा ने कहा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर, हमने बालासोर में स्वास्थ्य संस्थानों के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल की दो टीम की प्रतिनियुक्ति की है। वे आवश्यक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। राज्य सरकार अस्पतालों में घायल मरीजों की स्थिति को अपडेट करती रही। नवीनतम प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, ट्रेन दुर्घटना के 1,175 रोगियों को बालासोर, भद्रक, कटक और भुवनेश्वर के 21 अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 793 को प्रारंभिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। उड़ीसा उच्च न्यायालय ने बहनागा में दुर्घटना में घायल लोगों के लिए रक्तदान शि. विर का आयोजन किया। एक आधिकारिक विज्ञापित में कहा गया है कि इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की सहायता से 140 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। जर्जों के साथ-साथ कर्मचारियों ने भी रक्तदान किया। इस मौके पर शोक सभा भी आयोजित की गई।

## पीएम मोदी के कार्यकाल में सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध

प्राप्त समाचार के अनुसार पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को 9 साल पूरे हो चुके हैं। इन नौ सालों में सरकार के द्वारा जारी स्वास्थ्य सेवाओं का उल्लेख करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक ऐसे भविष्य को अपनाया है जहां स्वास्थ्य सेवा अब एक विशेषाधिकार नहीं है। पीएम मोदी ने अपने शासन के बीते नौ वर्षों में भारत के स्वास्थ्य ढांचे को प्राथमिक से तृतीयक स्तर तक कायापलट किया है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इन 9 सालों में स्वास्थ्य सेवा के ढांचे को पूरी तरह से प्राथमिक से तृतीयक स्तर तक अपने स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में सुधार किया गया है। गरीबों के लिए 5 लाख तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया गया है। मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने के लिए प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति का उपयोग किया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने के लिए प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति का उपयोग किया है। चाहे वह कोविड टीकाकरण, टेलीमेडिसिन, अस्पताल पंजीकरण, या स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुंच हो, स्वास्थ्य सेवा अब नागरिकों की उंगलियों पर है। मोदी सरकार ने बीते 9 सालों में 38 करोड़ से अधिक नागरिकों के आयुष्मान स्वास्थ्य खाते खोले। सस्ती दवाओं के लिए 9,200 से अधिक जनऔषधि केंद्र और 230 से अधिक अमृत फार्मेशियां खोली गईं। 5,000 से अधिक रैपिड मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक मशीनें अब चालू हैं। गृह मंत्री ने आगे बताया कि देश में अब 660 मेडिकल कॉलेज चल रहे हैं, 2014 से 70 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके अलावा शाह ने कहा कि 5 लाख की आबादी वाले सभी जिलों में 6,00 से अधिक क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉक खोले गए हैं। अमित शाह के अनुसार आयुष्मान भारत के साथ 23 करोड़ परिवारों का स्वास्थ्य बीमा है।

### The New Dimension in HEALTHCARE

# AXIS

More than 150 products Latest All-in-One Packing Products manufactured at WHO/GMP Certified Units

100% EXCISE FREE ZONE Manufacturing Herbal Products Available

Superspeciality formulations & New Drug Molecules

Cefixime + Potassium Clavulanate Tab.  
Amoxycillin + Dicloxacillin Cap.  
Gabapentin + Mecobalamin Tab.  
Pantoprazole + Domperidone SR Cap.  
Rabeprazole + Itopride Cap.  
Ofloxacin + Ornidazole Tab.  
Levocetirizine + Montelukast Tab.  
Cefpodoxime + Potassium Clavulanate Tab.  
Cetrixone + Tazobactam Inj.  
Artesunate Inj.

Trade Enquires Are Welcome for unrepresented area. Financially sound parties with pharma experience may contact for Franchise/PDC/Monopoly basis

We Offer :  
Area wise rights, Visual Aids, Promotional Materials, Samples, Product Reminders & Gift Articles

For further information, please write or contact us :  
**AXIS PHARMA**  
S.C.F. : 408, Near FR, Motor Market, Manimajra, Chandigarh-160 101  
Phone : 0172-5003408; Telefax : 0172-2730408, M-09216859800  
E-mail : axispharma\_chd@rediffmail.com

OFFERS WIDE RANGE OF :

- TABLETS
- CAPSULES
- LIQUIDS
- INJECTABLES
- DRY SYRUP
- LIQUID DROPS
- EYE/EAR/NASAL DROPS
- PROTEIN POWDER
- NUTRACEUTICALS
- SHAMPOO
- MOUTH WASH
- SOAP

## अस्पतालों में मुफ्त जांच बंद हो सकता है

**नई दिल्ली:** राज्य द्वारा संचालित अस्पतालों, पॉलीक्लिनिक और मोहल्ला क्लीनिकों में 450 मुफ्त पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक परीक्षण प्रदान करने के लिए दो निजी कंपनियों को काम पर रखने के चार महीने बाद, दिल्ली सरकार ने अभी तक उनके साथ एक औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किया है। समझौते के अभाव में, कंपनियों को भुगतान नहीं किया गया था और अब उन्होंने सरकार से कहा है कि यदि उनका भुगतान तुरंत जारी नहीं किया गया तो वे मुफ्त परीक्षण प्रदान करना बंद करने के लिए बाध्य होंगे। दिल्ली सरकार ने सरकारी अस्पतालों, मुहल्ला क्लीनिकों और पॉलीक्लिनिकों में आने वाले मरीजों के लिए अपनी नैदानिक सेवाओं का दायरा बढ़ाते हुए इस साल मुफ्त पैथोलॉजिकल और डायग्नोस्टिक परीक्षणों की संख्या बढ़ाकर 450 कर दी थी। इनमें से कुछ परीक्षणों में हेपेटाइटिस बी एंटीजन, हेपेटाइटिस सी वायरस शामिल हैं। एचआईवी, हेपेटाइटिस बी डीएनए, हेपेटाइटिस सी आरएनए, एचपीवी सीरोलॉजी, तपेदिक के लिए पीसीआर और एच।एन।। निःशुल्क परीक्षण सुविधा 1 फरवरी को शुरू की गई थी और यह 522 आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक, चार महिला मोहल्ला क्लीनिक, 21 पॉलीक्लिनिक, 201 डिस्पेंसरी और विभिन्न सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध थी। सूत्रों ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने राजधानी को तीन समूहों में विभाजित किया है- क्लस्टर ए दक्षिण, दक्षिण पश्चिम, दक्षिण पूर्व और मध्य जिलों को कवर करता है; क्लस्टर बी उत्तर, उत्तर पश्चिम, पश्चिम और नई दिल्ली जिलों को कवर करता है; और क्लस्टर सी शाहदरा, पूर्व और पूर्वोत्तर जिलों को कवर करता है। हेल्थकेयर कंपनियों को बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था और दो कंपनियों - मेट्रोपॉलिस और संजीवन - को टेंडर से सम्मानित किया गया था। नाम न छापने की शर्त पर दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा, चूंकि यह एक प्रतिष्ठित काम था, हम तुरंत शुरू करना चाहते थे। लेकिन कंपनियों और सरकार के बीच आवश्यक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो सके। अधिकारी ने कहा, हमें अब सूचना मिली है कि उनके बिल लॉबित हैं। जब तक उचित दस्तावेज नहीं होंगे तब तक भुगतान जारी नहीं किया जा सकता है। चूंकि समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं, इसलिए कोई भुगतान जारी नहीं किया जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, कुछ परीक्षणों के लिए सरकार को NABL (राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैंलिब्रेशन लेबोरेटरीज) के अनुसार कंपनियों को भुगतान करना पड़ता है, और अन्य के लिए कंपनियों को CGHS (सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) रेंट लिस्ट के अनुसार भुगतान किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने हाल ही में स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखकर विभिन्न समूहों में दो फर्मों द्वारा किए गए परीक्षणों का विवरण दिया और समझौते पर हस्ताक्षर करने और भुगतान जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। एक अन्य अधिकारी ने कहा, चूंकि अधिकांश परीक्षण सरकार द्वारा आउटसोर्स किए गए हैं, इसलिए बड़ी संख्या में मरीज प्रभावित होंगे। अधिकारी ने कहा कि 2022 में भी बकाया भुगतान नहीं होने के कारण मोहल्ला क्लीनिकों में परीक्षण सुविधाएं दो महीने से अधिक समय से बंद थीं।

## NOBLE REMEDIES (I) PVT. LTD.

### Invites

Parties, ASM's, and Medical Representatives for the Franchise in the unrepresented areas

NOBLE REMEDIES HAS WIDE RANGE OF

Tablets Injections Protein Powder Syrup Sachet Capsules Herbal Products Dry Syrups Ointments

**WE OFFER**

- Attractive Packaging
- Latest Molecules
- All Promotional Inputs
- Monopoly Rights
- Highest Quality Standards
- Gift Articles

**Noble Remedies (India) Pvt. Ltd.**  
10-11, 2nd Floor, Paalka Bazar  
G.T. Road, Ghaziabad (U.P.)  
E-mail: nobleremedies@yahoo.com  
Web: nobleremedies.co.in

**Contact for**  
9711464648, 9811464648



Caring health with  
Curing hands...

- Tablets
- Capsules
- Injections
- Softgel Capsules
- Dry Syrup
- Liquid Suspension
- Cardia Range
- Derma Range
- Eye & Ear Drops
- Ayurvedic Range

Email :  
cancuf@gmail.com

Call Us : 92164 24072  
98883 16959

A professionally managed fast growing pharmaceuticals  
Company with a multidimensional ethical products.



**CARE n CURE FARMACIA**  
SCF: 421, M. Mkt., Manimajra, Chandigarh-160101  
www.carencurefarmacia.com

### मेघालय में एलोपैथिक दवाएं बेचते पाए गए फेरीवाले

प्राप्त समाचार के अनुसार मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स क्षेत्र में काम करने वाले एक एनजीओ ने गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएडीसी) के कराधान विभाग पर सवाल उठाया है। जीएचएडीसी की ओर से सवाल इसलिए उठाए गए हैं क्योंकि यहां पर फेरीवाले एलोपैथिक दवाएं बेचते पाए गए। यह मामला उस वक्त सामने आया जब दुरमा इम्बामा नोरिम्बी डिक्रिम्बी अचिक मगीपरंग (fMaMe) एनजीओ ने पश्चिम गारो हिल्स के गरोबधा में साप्ताहिक बाजार का दौरा किया। उस दौरान उन्होंने तीन फेरीवालों को लोगों को एलोपैथिक दवाएं बेचते देखा। एनजीओ के अधिकारियों ने एक नहीं बल्कि तीन-तीन फेरीवालों को एलोपैथिक दवाएं बेचते हुए देखा। डिंडम के संस्थापक सदस्य जेनी संगमा ने कहा कि हमें साप्ताहिक बाजार में एलोपैथिक दवाएं बेचने वाले फेरीवालों के बारे में एक गुप्तनाम कॉल के माध्यम से सूचित किया गया था। वे इन्हें अनजाने ग्रामीणों को बेच रहे थे, डॉक्टरों के रूप में कार्य कर रहे थे और जीएचएडीसी के एक टीएनटी को छोड़कर, संबंधित किसी भी विभाग से अनुमोदन के बिना दवाएं लिख रहे थे। एनजीओ की ओर से फेरीवालों को दवाएं बेचने के लाइसेंस का वितरण जारी करने पर सवाल उठाया गया। जेनी संगमा ने कहा कि हमें लगता है कि यह संभवतः देश में पहली बार है कि इस तरह के अवैध कार्यों को इस तरह की अभयता के साथ फलने-फूलने दिया गया है। इन फेरीवालों के पास विभिन्न विभागों से काम करने का कोई अधिकार या अनुमति नहीं है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उन्हें जीएचएडीसी के कराधान विभाग से गैर-आदिवासी (टीएनटी) लाइसेंस द्वारा व्यापार दिया गया है, जिसके पास दवाओं की बिक्री का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जब आप हॉकिंग लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं तो फार्मसी खोलने के लिए इतनी सारी मंजूरी और लाइसेंस प्राप्त करने का क्या मतलब है? यह हास्यास्पद है, कम से कम कहने के लिए, और एक खतरनाक मिसाल कायम करता है। जब हम अमपाती में ड्रग इंस्पेक्टर के पास गए, तो जो कुछ हो रहा था, उससे वह भी चौंक गईं और मामले को तुरंत देखने का वादा किया।



**DARVINCARE DERMAVISION**



**VASOLIFE HEALTHCARE**



A Professionally Managed Pharma Company offers  
**Monopoly Rights** to market its products on **Franchisee/PCD basis on State/District level all over India**

Areawise Unique Coding System to avoid infiltration

Parties looking  
for entire state  
URGENTLY CALL } 7696048889  
9878941960

Plot No. 198, Indl. Area, Phase-2 Panchkula, Haryana  
H. O. SCF-434, Basement & 1st Floor, Motor Market, Manimajra, Chandigarh - 160 101,  
E-mail : zenaacts.artl@gmail.com

### प्लाज्मा एक्सचेंज करने वाला हिमाचल प्रदेश का पहला मेडिकल कॉलेज

प्राप्त समाचार के अनुसार हिमाचल प्रदेश के कांगडा (Kangra) का टांडा मेडिकल कॉलेज प्लाज्मा एक्सचेंज करने वाला प्रदेश का पहला मेडिकल कॉलेज बन गया है। हाल ही में यहां प्लाज्मा एक्सचेंज प्रक्रिया से एक युवती का इलाज किया गया है। अब हिमाचल प्रदेश के लोगों को प्लाज्मा एक्सचेंज करवाने के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रोफेसर डॉ. भानु अवस्थी ने न्यूरोलाजी और नेफ्रोलॉजी विभाग की जमकर तारीफ की। डॉ. अवस्थी ने बताया कि 19 साल की युवती को 23 मई को अचानक पीठ दर्द उठा। दर्द इतना अधिक था कि वो अपने शरीर के निचले हिस्से को हिलाने में भी असमर्थ थी। युवती को न्यूरोलाजी विभाग में भर्ती कराया गया। जांच में सामने आया कि युवती के शरीर में हानिकारक एंटीबॉडी बनना शुरू हो गई थी। उसके आटोइम्यून डिसऑर्डर का इलाज किया गया। न्यूरोलाजी के विभाग अध्यक्ष डॉ. अमित भारद्वाज और उनकी टीम ने युवती का इलाज शुरू किया। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. अभिनव राणा के साथ चर्चा की गई और प्लाज्मा एक्सचेंज का निर्णय लिया गया। रोगी के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और अब वह पैर हिला रही है। बता दें कि मेडिकल कॉलेज टांडा और प्रदेश में पहली बार यह प्रक्रिया शुरू की गई। डॉ. भानु अवस्थी ने कहा कि आने वाले वक्त में स्वास्थ्य सुविधाएं और सुदृढ़ होंगी। क्या होता है प्लाज्मा एक्सचेंज प्लाज्मा दरअसल खून में पाया जाने वाला तरल हिस्सा होता है। इसमें लाल, सफेद कोशिकाएं और प्लेटलेट्स होते हैं। प्लाज्मा एक्सचेंज में मरीज के खून का प्लाज्मा निकालकर मशीन में इसको सेंट्रीफ्यूगेशन तकनीक के जरिए लाल रक्त को. शिकाएं (RBC), सफेद रक्त कोशिकाएं (WBC) और प्लेटलेट्स को प्लाज्मा से अलग कर दिया जाता है। इसके बाद ये खून फिर से मरीज को चढ़ा दिया जाता है। ये प्रक्रिया इसलिए की जाती है ताकि शरीर के हानिकारक एंटीबॉडी को निकाला जा सके।

### महाराष्ट्र सरकार पुणे में स्थापित करेगी नई दवा प्रयोगशाला

प्राप्त समाचार के अनुसार महाराष्ट्र सरकार राज्य में दवा के नमूनों के समय पर विश्लेषण के लिए जल्द ही पुणे में नई दवा प्रयोगशाला स्थापित करने वाली है। महाराष्ट्र सरकार इस पर योजना बना रही है। वर्तमान समय में मुंबई, औरंगाबाद और नागपुर में प्रयोगशाला उपलब्ध है। गैर-मानक और घटिया दवाओं के विश्लेषण और दवा के नमूनों के परिणाम तैयार करने में देरी को अधिक दवा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना के साथ काफी कम किया जा सकता है। प्रभावी ड्रग रिफॉल ऐसी दवा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य है। नमूने लेने, सुरक्षा और ड्रग रिफॉल के लिए उनका विश्लेषण करने से राज्य भर में ड्रग परीक्षण बुनियादी ढांचे के उन्नयन को बढ़ावा मिलेगा। महाराष्ट्र एफडीए आयुक्त अभिमन्यु काले ने दवा नियमों का पालन न करने और नकली दवाओं की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए जनशक्ति और प्रयोगशालाओं के उन्नयन के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है। प्रयोगशालाओं में तकनीकी जनशक्ति जो वर्तमान में 80 से अधिक कर्मचारियों की है, को भी अपग्रेड किया जाएगा। आज के दौर में मुंबई 4,000 नमूनों का परीक्षण करता है, औरंगाबाद 1,000 नमूनों का परीक्षण करता है और नागपुर वार्षिक आधार पर 500 से 600 नमूनों का परीक्षण करता है। मुंबई, औरंगाबाद और नागपुर में सभी तीन प्रयोगशालाओं को रुपये की केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) के माध्यम से राज्य में दवा नियामक तंत्र को बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में भी मजबूत किया जा रहा है। राज्य सरकार से वित्तीय सहायता के साथ 136 करोड़। सरकार की योजना के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकारें महाराष्ट्र राज्य में दवा नियामक ढांचे को मजबूत करने के लिए 60:40 के अनुपात में धन आवंटित करेंगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय राज्य में ड्रग रेगुलटरी सिस्टम को अपग्रेड करने की दिशा में 2016-17 में शुरू हुई केंद्रीय सहायता योजना की लगातार समीक्षा करता है। प्रयोगशालाओं की क्षमता निर्माण, तकनीकी जनशक्ति की भर्ती, परिकृत उपकरण स्थापित करना और रसद समर्थन महाराष्ट्र एफडीए के एजेंडे में उच्च है।

### लंग कैंसर की नई दवा से 50 प्रतिशत कम होगा मौत का खतरा

प्राप्त समाचार के अनुसार आज के दौर में सबसे अधिक लोग लंग कैंसर से पीड़ित हैं। ज्यादातर मामलों में इससे पीड़ित लोगों की मौत हो जाती है। अब एक नई दवा के निर्माण ने लंग कैंसर से मौत के जोखिम को 50 प्रतिशत कम करने की उम्मीद जताई है। एक लंबे दशक क्लीनिकल ट्रायल होने के बाद ये जानकारी सामने आयी है। डॉक्टरों का कहना है कि ओसिमर्टिनिब खाने से लंग कैंसर से पीड़ित रोगियों में मौत का खतरा 51 प्रतिशत कम हो गया है। लेकिन डॉक्टरों की सलाह पर ही इस दवाई को खाना चाहिए। ओसिमर्टिनिब, जिसका टैब्लेट्स के रूप में विपणन किया जा रहा है, एक विशेष प्रकार के म्यूटेशन वाले लंग कैंसर के आम प्रकार नॉन-स्मॉल सेल कैंसर को निशाना बनाती है। येल विश्वविद्यालय के नेतृत्व में शिकागो में अमेरिकन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी की सलाना बैठक में इस दवाई के बारे में खुलासा किया गया है। शोध में 26 देशों में 30 से 86 वर्ष की आयु के रोगियों को शामिल किया गया और यह देखा गया कि क्या गोली नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर के रोगियों की मदद कर सकती है। इस शोध में हर व्यक्ति में ईजीएफआर जीन का म्यूटेशन था खर जो वैश्विक फेफड़ों के कैंसर के लगभग एक-चौथाई मामलों में पाया जाता है और एशिया में 40 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार शिकागो कैंसर सम्मेलन में बताया गया है कि दुनिया के कुछ बड़े देशों मसलन ब्रिटेन, अमेरिका में ओसिमर्टिनिब दवा उपलब्ध करा दी गई है। बाकी देशों में भी इसे उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। लंग कैंसर के ट्यूमर को हटाने के बाद हर दिन ओसिमर्टिनिब दवा का सेवन करने वाले 88 प्रतिशत रोगी 5 सालों के बाद भी जीवित हैं।

### हर सिगरेट पर चेतावनी छापने वाला दुनिया का पहला देश

प्राप्त समाचार के अनुसार सिगरेट पानी स्वास्थ्य के लिए कितना हानिकारक होता है ये तो सभी जानते हैं। दुनिया भर के तमाम देशों में सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी छपी होती है कि सिगरेट स्वास्थ्य के लिए कितनी हानिकार होती है। लेकिन सिगरेट पीने वाले पैकेट पर ध्यान नहीं देते हैं कि उसपर क्या लिखा हुआ है। अब कनाडा (Canada) ने अपने देश के लोगों को सिगरेट से दूर रखने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। कनाडा सरकार ने सिगरेट के पैकेट के साथ हर एक सिगरेट पर स्वास्थ्य चेतावनी छापने का फैसला लिया है। इस तरह से कनाडा दुनिया का ऐसा पहला देश बन गया है जहां हर एक सिगरेट पर स्वास्थ्य चेतावनी छपी हुई मिलेगी। कनाडा में हर एक सिगरेट पर

Committed to Healthier Life



Angiolife Healthcare Pvt. Ltd.



WHO  
GMP  
CERTIFIED PRODUCTS

A Professionally Managed Pharma Company offers  
**Monopoly Rights** to market its products on **Franchisee/PCD basis on State/District level all over India**

Tablets	Glimperide + Metformine + Flagliptone Tablets	Voglibose 0.2/0.3mg Tablets	Telmisartan + Hydrochlorothiazide Tablets
Capsules	Cefixime 200mg + Ofloxacin 200mg Tablets	Cefixime + Clavulanic Acid Tablets/Syrup	Acetolnac 100mg + Theoclochloride 6mg Tablets
Injections	Pipracillin + Tazobactam 4.5g Injections	Ceftriaxone + Tazobactam 1.125g Injection	Doxophylline Tablets
Softgels			
Syrups			
Ds & Susp.			
Ointments			

Areawise Unique Coding System to avoid infiltration

Third Party Manufacturing proposals invited.

Promotional inputs (Visual Aids, LBLs, Samples, Bags, Product Reminders, Gifts & other timely promos)

Trade Enquires are welcome for all over India on Franchise/PCD/Monopoly basis

More than  
150  
Products

New DGGI  
APPROVED  
Molecules

EXCISE FREE  
100%  
MANUFACTURING

Parties looking  
for entire state  
URGENTLY CALL } 09501102150  
09501102151

For further information, please write or contact us :



SCF-410, 1st & 2nd Floor, Motor Market, Manimajra, Chandigarh 160 101, India. Phone : 0172-4000910  
E-mail : angiolifehealthcare@gmail.com  
Website : www.angiolifehealthcare.com  
BLOCK-169, STIRLING ROAD, # 01-1175, SINGAPUR-140169

ये संदेश लिखा हुआ नजर आयेगा कि तंबाकू का धुंआ बच्चों के लिए हानिकारक है, सिगरेट से ल्यूकेमिया होता है, सिगरेट की हर कश जहर है। अंग्रेजी और फ्रेंच में ये संदेश कनाडा के हर एक सिगरेट पर देखने को मिलेगा। कनाडा के स्वास्थ्य अधिकारी ने world no tobacco day पर ये घोषणा करते हुए कहा कि हर सिगरेट पर अब स्वास्थ्य को लेकर चेतावनी दर्ज करना अनिवार्य होगा। कनाडा के स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि जो व्यस्क सिगरेट छोड़ना चाहते हैं यह उन्हें मदद करेगा, युवाओं को बचाने और तंबाकू का इस्तेमाल नहीं करने वालों के लिए निकोटीन की लत से दूर रखेगा। कनाडा ने 2035 तक लक्ष्य रखा है कि वह तंबाकू के इस्तेमाल में 5 प्रतिशत की कमी करेगा। कनाडा सरकार की ओर से लिया गया ये फैसला 1 अगस्त 2023 से लागू हो जायेगा। 1 अगस्त के बाद से जिन सिगरेट का निर्माण किया जायेगा उस पर संदेश लिखा हुआ होगा। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जायेगा। कनाडा सरकार का लक्ष्य है कि उसके देश के नागरिक सिगरेट के इस्तेमाल से दूर रहें।

### गर्मियों की छुट्टियां

प्राप्त समाचार के अनुसार लुधियाना केमिस्ट एसोसिएशन की मीटिंग राजा ढाबा में हुई इसमें गर्मियों की छुट्टियों को लेकर चर्चा की गई। इसमें सिविल लाइन केमिस्ट एसोसिएशन ने 22 से 25 जून तक गर्मियों की छुट्टियों का ऐलान किया। इस मीटिंग में लुधियाना केमिस्ट एसोसिएशन के चेयरमैन विनोद शर्मा, सिविल लाइन केमिस्ट एसोसिएशन के प्रधान तरुण, वाइस प्रेसिडेंट रमनदीप सिंह, हरिश छाबड़ा, मनमोहन, विकास पोपली, राजेश कुमार, राजवंत सिंह, अमनदीप सिंह भी मौजूद थे।

- विनोद शर्मा, मो० 9814918011.

## DR BEST PHARMACY

Save up to 80% on your monthly medicine bill.

Start your own pharmacy with India's largest pharmacy chain

**अब खोलें अपना खुद का मेडिकल स्टोर  
और प्रतिमाह अच्छा मुनाफा कमाएं**

We offer widest range of exclusive Products

Anti Diabetic Range,  
Anti-inflammatory Drugs,  
Anti Allergist,  
Cardiac Range,  
Antibiotic/Antiviral/Antifungal  
Consumer Care/OTC,  
General Products / Miscellaneous,  
Hypothyroidism,  
Eye/Ear& Nasal Drops,

Supplements  
Multivitamin/Antioxidants/  
Neutraceuticals/Health  
Topical Range  
Lipid Profile Management,  
Nephrology/UROLOGY,  
Gastrointestinal,  
General Products / Miscellaneous,  
Hypothyroidism,  
Eye/Ear& Nasal Drops,

Trade Enquiries are Welcome for all over India

**DR BEST PHARMACEUTICALS PVT LTD**  
Plot no 157, Periphery Road,  
Sidhu complex Sarangpur Chandigarh-160014  
Ph.: 9216863700, 7527038383  
sales@drbest.in | www.drbest.in

**+ Veterinary Division +**  
**MANUFACTURER of ECTOPARASITICIDES**



Email-id: sales.grampus@gmail.com  
 Web Site: www.grampuslaboratories.com



1. **AMITRAZ** -5% & 12.5%
2. **AMITRAZ** -2% POUR ON
3. **FLUMETHRIN** -1% POUR-ON
4. **CYPERMETHRIN** -1%, 10%, 12%, 15%
5. **CYPERMETHRIN** -10% + ETHION 8%
6. **CYPERMETHRIN** -1%, 10% POWDER
7. **DELTAMETHRIN** -1.25% , 1.75%, 2.5%
8. **PERMETHRIN** -2%, 5%, 10%, 11%
9. **FIPRONIL** -0.25%, 1%, 9.7%

ALL PACKS AVAILABLE IN ALUMINIUM, TIN & PET BOTTLES  
 6ml, 15ml WALL HANGING TRAY PACKS AVAILABLE  
 FOR PCD & THIRD PARTY : 099960-19744. 78762-20222.

**GRAMPUS LABORATORIES**  
 Mfg. Unit: Johron, Near Industrial Area, Kala Amb.(H.P.)



**Committed to Quality and Services**

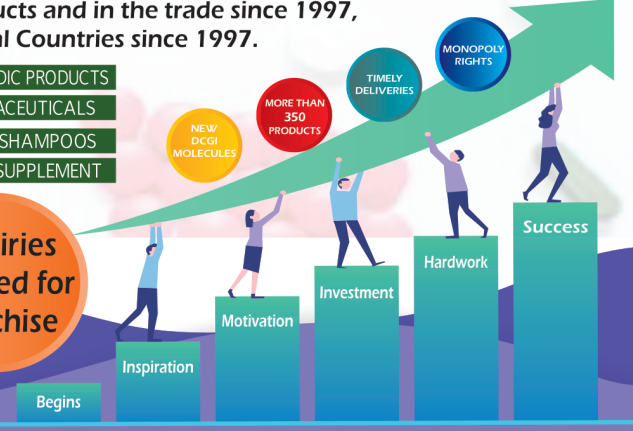
Om Biotec has Certified ISO 9001 : 2015, is the Manufacturer & Exporter of Pharmaceuticals products and in the trade since 1997, Export to Several Countries since 1997.

TABLETS	INJECTABLES	SOFT GEL CAP.	AYURVEDIC PRODUCTS
CAPSULES	EYE/EAR DROP	PROTEIN POWDER	NUTRACEUTICALS
OINTMENT	LIQUID	DRY SYRUP/DROP	SOAP/SHAMPOOS
DERMA CARE	SKIN CARE	DENTAL CARE	FOOD SUPPLEMENT

We provide all kind of PROMOTIONAL MATERIAL i.e.  
 ✓ Visual Aid ✓ Reminder Card ✓ Corporate Gift Articles  
 ✓ Leaf Behind ✓ Bags ✓ Sample Catch Cover

**Om BIOTEC**  
 Exporter and Importer / A Govt. of India Recognized Export House  
 Office: 24/4814, Mathur Lane, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002  
 Tel : 011-23276277 / 23257768  
 Email: ombiotec@gmail.com  
 Website : www.ombiotec.com  
 Mobile: +91-8287405552  
 Mobile: +91-9911193164  
 Mobile: +91-9911262100  
 Mobile: +91-9810060234

Enquiries Solicited for Franchise



**A Fastest Growing Derma Company With Latest Products.....**



**e-derma**  
 Pharma India Pvt. Ltd.  
 (An ISO 9001:2015 Certified Company)  
 More Than 200 Products  
 9034435000, 9034635000  
 edermapharma@hotmail.com  
 www.edermapharma.com

**लोगों में पाया जा रहा आंखों का संक्रमण दवा की होगी जांच**

अमृत और मृत्यु दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं. मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है

प्राप्त समाचार के अनुसार श्रीलंका के 35 मरीजों में आंखों का संक्रमण बढ़ने पर भारत निर्मित दवा की जांच शुरू हुई है. केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन सीडीएससीओ के सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आंखों का ड्रॉप बनाने वाली गुजरात की फार्मा कंपनी की दवा की जांच की जा रही है सूत्रों के मुताबिक इसी साल मार्च में कंपनी के दो बड़े श्रीलंका निर्यात किए लेकिन अप्रैल में वहां के तीनों बड़े अस्पतालों में एक के बाद एक करीब 30 लोगों ने दवा लेने के बाद आंखों के संक्रमण होने की शिकायत की जिसके बाद श्रीलंका की सरकार ने सिर्फ दवा पर लगाई बल्कि उसके खिलाफ जांच भी शुरू कर दी. इस बीच कंपनी ने भी यहां के बाजार से दवा को वापस ले लिया है. हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मांडवीया ने चेतावनी देते हुए कहा कि फार्म आयोग देश की साख से जुड़े हैं, अगर गुणवत्ता के लिहाज से समझौता किया जाता है तो यह दुनिया की नजर में देश के लिए अच्छा नहीं रहेगा और वह स्वयं इसे कभी बदोशत नहीं कर सके। **राजेंद्र निगम, जौनपुर, मो० 9415555194.**

**क्या आप गुर्दे की पथरी से परेशान हैं ?**

**Only 9 day course**  
**PATHNIL XS**  
 COMBO PACK : SYRUP + CAPSULE



**SRICURE HERBS INDIA PVT LTD**  
 PLOT NO. 326 INDUSTRIAL AREA PHASE 1 PANCHKULA HARYANA  
 Dealership enquiries solicited for unrepresented areas  
 Contact: 9988884500 | sales@sricureherbs.in

**PHARMA FRANCHISE Opportunity**  
**LAVISH BIOTECH**

**THIRD PARTY PHARMA MANUFACTURING Also Available**

**Products Range**

Tablets	Capsules	Softgels
Syrups	Ointments	Injections
Nutraceuticals	Dry Syrups	Eye/Ear Drops
Sachets	Protein Powder	

Attractive Price, Timely Delivery, Attractive Packaging, Promotional Material

**LAVIVEDIC** (A Division of Lavish Biotech)

Plot No. 132, Industrial Area, Phase-1, Panchkula-134113 (HR)  
 7743005711, 9989373750  
 lavishbiotech@gmail.com  
 www.lavishbiotech.com

**Want to become a TRUE Professional ?**  
**Join Hands with A Truly Professional Company,**  
**PARK PHARMA and become Park Professional**

We offer Best & most economical prices and wide range of  
 Tablets, Capsules, Liquids, Dry Syrups, Injectables, Eye/Ear/Nasal Drops, Creams, Lotions, Gels, Ointments, Shampoos, Protein Powders, Nutraceuticals, Soft Gelatin Capsules & Dietary Supplements

Third party manufacturing also under taken  
 New & Latest DCGI Molecules  
 We Offer Monopoly Rights for financially sound parties in unrepresented areas

New and attractive Packing available

**PARK PHARMACEUTICALS**  
 WHO Compliance Manufacturing & Distribution  
 For further information please contact  
 272, Phase-II, Industrial Estate, Panchkula, Haryana 134 113  
 E-mail : Karan@parkpharmaceuticals.com, park.pharmaceuticals@gmail.com  
 Call or SMS : 09988000028 8725997222

**Park**

CERTIFIED ISO 9001:2015, GMP, GLP, WHO-COMPLIENS SCHEDULE M

**Manufacturing Facility at Baddi, Himachal Pradesh**

TABLETS, CAPSULES, LIQUIDS, INJECTION, EYE/EAR & NASAL DROPS, DRY SYRUP

Proposals Invited for Marketing Tie-ups, Contact/Third Party Manufacturing/Export Orders

**Looking Distributors on PCD/Franchisee Basis in un-represented area**  
 SCO-206, First Floor, Sector-14, Panchkula (Haryana)  
 PH : +91 92170-80009, +91 92183 98388

**PARK CARE | SPACE CARE | CareHealth**

**Works :** Village Kalujhanda, Teh. Baddi (H.P.)  
**Corporate Office :** SCO 206, 1st Floor, Sector-14, Panchkula (Haryana)  
 E-mail : gmcontpark@gmail.com  
 Web Site : www.parkpharma.net

**निर्देश दिए**  
 प्राप्त समाचार के अनुसार प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थसारथी सेन शर्मा ने सभी निदेशक प्रमुख सीएमओ, सीएमएस को निर्देश दिए प्रमुख सचिव हर डॉक्टर द्वारा लिखे गए मरीज का ऑपरेशन का ब्यौरा भी देना होगा उन्होंने कहा कि अस्पतालों में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए. पदों के विवरण इस तरह दिए जाए कि जहां चिकित्सकों की कमी है तो वहां किस विशेषज्ञ की आवश्यकता है, जहां चिकित्सक ज्यादा होंगे वहीं अन्यत्र भेजा जाएगा, और सरकारी अस्पताल में उपलब्ध एक साइन बोर्ड के जरिए प्रदर्शित किया जाए की कौन-कौन सी दवाइयां अस्पताल में उपलब्ध है, इसका अनुपालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए, जो भी दवाइयां लेकर वेयरहाउस में उपलब्ध हो उन्हें अस्पताल के माध्यम से मरीजों को उपलब्ध कराया जाए। **आलोक अग्रवाल, मुरादाबाद, मो० 9897069577**

**Leroi** A Professionally Managed Fast Growing Company with a Wide Range of Innovative and Latest Multidimensional Ethical Product with Latest Molecule.

**Third Party Manufacturing Facility Available with Spare Capacity**

Tablets (Beta & Non Beta), Capsules (Beta & Non Beta), Veterinary Products (Beta & Non Beta), Oral Liquid (Syrup & Susp.), Dry Syrup (Beta & Non Beta)

**GMP & GLP Certified & WHO Compliance**

Alu-Alu Pack Available, Latest Attractive Packaging, Competitive Price, Timely Delivery of Goods

**Come Join Hands with us:**

- Small Batch Manufacturing
- Bulk Order Manufacturing
- Third Party/Marketed by Arrangement
- For Sole Marketing Rights for Unrepresented areas

For any information, please feel free to contact:  
**LEROI PHARMACEUTICALS PVT. LTD**  
 159 GHA, Village- Simlani, Post- Manglor, Roorkee, Distt.- Haridwar. 247656 (U.K.)  
 Ph +919720002852, 9758250300, 9758003741  
 Email: Leroipharma1@gmail.com | web: www.leroipharma.com